सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" मीठे शब्द और अच्छा व्यवहार ही इंसान को बादशाह बना देते हैं केवल पैसों से आदमी धनवान नहीं होता, असली धनवान वह है जिसके पास अच्छी सोच, मधुर व्यवहार और सुंदर विचार हैं...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–129 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 29 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

माओवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता, भारी विस्फोटक और हथियार बरामद

नई दृष्टिबिंदु / नारायणपुर-गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की पुलिस को माओवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर चलाए गए संयुक्त अंतरराज्यीय अभियान में सुरक्षा बलों ने घने जंगलों में संचालित माओवादियों के हथियार निर्माण केंद्र का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और निर्माण सामग्री बरामद की गई है। यह कार्रवाई ऑपरेशन अंतिम प्रहार के तहत की गई। सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान 01 इंसास रायफल, 02 सिंगल शॉट रायफल, 02 बारह बोर रायफल और 18 जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा हथियार निर्माण और विस्फोटक तैयार करने में उपयोग होने वाली कई सामग्री भी जब्त की गई।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित माओवादियों से पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि नारायणपुर जिले के काकूर थाना क्षेत्र से लगभग सात किलोमीटर दूर महाराष्ट्र–छत्तीसगढ़ सीमा के जंगलों में माओवादियों ने हथियार और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी है। इसी सूचना के आधार पर 26 मई 2026 को गढ़चिरौली पुलिस अधीक्षक एम. रमेश के निर्देशन में संयुक्त अभियान शुरू किया गया। अभियान में प्राणहिता के विशेष अभियान दल की चार टुकड़ियां, नारायणपुर डीआरजी की एक टीम तथा बीडीडीएस प्राणहिता की दो टीमें शामिल थीं। 27 मई 2026 को काकूर थाना क्षेत्र के घने जंगलों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें बीडीडीएस टीम ने संदिग्ध स्थानों की जांच के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार निर्माण सामग्री बरामद की।

बरामद सामग्री में 25 किलो आईईडी विस्फोटक, 02 क्लेमोर माइन, 110 डेटोनेटर, कॉर्टेक्स वायर, 500 से अधिक बीजीएल सेल और निर्माण सामग्री, 07 बीजीएल लॉन्चर, 03 ट्यूब लॉन्चर, लोहे की रॉड, दो लेथ मशीन, दो मोटर, ग्राइंडर मशीन, इन्वर्टर, बैटरी, वायर बंडल और सोलर प्लेट शामिल हैं। पुलिस के अनुसार यह पूरा नेटवर्क माओवादियों द्वारा हथियार निर्माण और विस्फोटक तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

सुरक्षा बलों ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बरामद सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया, ताकि उसका उपयोग आगे किसी भी हिंसक गतिविधि में न हो सके। यह संयुक्त अभियान गढ़चिरौली पुलिस अधीक्षक एम. रमेश, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) कार्तिक मधिरा, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) गोकुल राज, अहेरी के अपर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन बीजे, पुलिस उपाधीक्षक (अभियान) विशाल नागरगोजे तथा नारायणपुर के पुलिस उपाधीक्षक मनोज मंडावी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि माओवादी गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा स्थापित करने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विधायक सेन को फोन कर दी सांत्वना

बड़े भाई दिनेश सेन के निधन पर जताया शोक, कहा– पूरा संगठन परिवार के साथ खड़ा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई दिनेश सेन के निधन पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को फोन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक संतप्त सेन परिवार को ढांढस बंधाया और इस कठिन घड़ी में पूरे संगठन के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।

दिनेश सेन का 17 मई को दुःखद निधन हो गया था। उनकी स्मृति में 27 मई को भिलाई में गरिमामयी शोक सभा आयोजित की गई थी। सभा में विधानसभा अध्यक्ष, मंत्रीगण, सांसद, जनप्रतिनिधियों समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर स्व. दिनेश सेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसी सिलसिले में 28 मई को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विधायक रिकेश सेन से फोन पर विशेष बातचीत की। श्री नबीन ने इस असमय पारिवारिक क्षति पर गहरा दुःख जताया। उन्होंने विधायक रिकेश सेन और पूरे सेन परिवार को सांत्वना दी।

श्री नबीन ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह अपूरणीय क्षति सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस दुःखद बेला में पूरी भारतीय जनता पार्टी विधायक रिकेश सेन और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

विशेष टिप्पणी

त्वरित फैसलों और सामूहिक सलाह से 2029 की तैयारी में जुटी कांग्रेस

आलोक तिवारी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सियासत में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का अंदाज बदला–बदला नजर आ रहा है। पहले आंतरिक खींचतान को टालने और निर्णय में देरी के लिए पहचाने जाने वाले राहुल अब जोखिम लेकर तत्काल फैसले ले रहे हैं। खास बात यह है कि इन फैसलों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए क्षेत्रीय क्षत्रपों और जमीनी नेताओं से रायशुमारी भी की जा रही है।

पुरानी कमजोरी से सबक

2014 के बाद लगातार चुनावी हार से कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा कमजोर हुआ। समीक्षक मानते हैं कि पंजाब, असम, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान में आंतरिक विवादों को लटकाने की रणनीति से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल ने जमीनी नब्ज पकड़ी, जिसका असर 2019 लोकसभा चुनाव में दिखा जब भाजपा 400 पार के नारे के बावजूद बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई।

नए फैसलों की झलक

तमिलनाडु में सहयोगी दल की हार के बाद राहुल ने देर न करते हुए सुपरस्टार विजय को समर्थन दिया और शपथ ग्रहण में शामिल हुए। कर्नाटक में सत्ता संघर्ष पर विराम लगाते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को इस्तीफे के लिए राजी किया और उन्हीं से डीके शिवकुमार के नाम की घोषणा करवाई। सिद्धारमैया को राज्यसभा और राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका का प्रस्ताव देकर सम्मानजनक विदाई की पटकथा लिखी। केरल विधानसभा में अनुकूल परिणाम के बाद निजी पसंद को दरकिनार कर वरिष्ठ नेता बीडी सतीशन को मुख्यमंत्री के लिए चुना गया है। बीडी सतीशन केरल विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे थे। पार्टी के केसी वेणुगोपाल सबसे मजबूत दावेदार थे, लेकिन राहुल ने रायशुमारी के बाद सतीशन को चुना।

इन फैसलों के पीछे सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला की अहम भूमिका है। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव यह है कि वायनाड सांसद प्रियंका गांधी अब मजबूत सलाहकार के तौर पर उभरी हैं। भाई–बहन के बीच बेहतर तालमेल कांग्रेस के निर्णयों में दिख रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार आने वाले महीनों में राष्ट्रीय कार्यकारिणी, सीडब्ल्यूसी में फेरबदल और कई प्रदेश अध्यक्षों के बदलाव की तैयारी है। कांग्रेस अब नए सिरे से देश की राजनीति को पढ़कर रणनीति बना रही है।

जहां पहले फैसलों में देरी से इंडिया गठबंधन को विधानसभा चुनावों में नुकसान हुआ, वहीं अब त्वरित निर्णयों से कांग्रेस सहयोगियों के बीच भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही है। राहुल गांधी का यह नया अंदाज 2029 की सियासी जंग के लिए पार्टी को तैयार करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। पुराने विवादों से सबक लेकर सामूहिक नेतृत्व और त्वरित कार्रवाई की यह रणनीति कांग्रेस के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

बीएसपी से 90 लाख का स्क्रैप चोरी संगठित गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार

250 टन लोहा, 8 वाहन समेत 3.22 करोड़ का माल जब्त, संगठित अपराध की धाराएं जोड़ीं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने भिलाई स्टील प्लांट से संगठित रूप से लौह स्क्रैप चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 250 टन लोहे का प्लेट, बीम कटिंग और 8 वाहनों समेत करीब 3 करोड़ 22 लाख रुपये का माल जब्त किया है। मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है।

फ्लू डस्ट की आड़ में हो रही थी चोरी

26 मई को मुखबिर की सूचना पर ग्राम अकलोरडीह खदान पारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स प्लाट नंबर 18 ए/05 एचआईए हथखोज में छापा मारा गया। यहां फैब्रीकेशन वर्क्स एंड स्क्रैप डील के नाम पर हाईवा, ट्रक और जेसीबी की मदद से चोरी का माल खपाया जा रहा था।

जांच में हाईवा वाहन सीजी 04 क्यूटी 8797 और ट्रक सीजी 10 आर 2004 में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट कटिंग व बीम भरा मिला। एक खाली हाईवा सीजी 08 ए.डब्ल्यू. 1475 भी मौके पर खड़ा था, जिसने माल खाली किया था। पास में दो अलग ढेरों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट और बीम कटिंग मिली।

8 वाहन और मशीनें जब्त

लोहा लोड करने के लिए खड़े ट्रक सीजी 07 एम.बी. 2455, टाटा 1109 सीजी 07 सी.ए. 6977, टाटा एस सीजी 04 जे.बी. 9616, जेसीबी सीजी 08 ए.वाय. 8496, हाईड्रा सीजी 07 सी.डब्ल्यू. 8063, बिना नंबर की चैन मार्डटिंग मशीन और डस्ट छानने की पांच मशीनें भी जब्त की गईं। आरोपी फ्लू डस्ट को चोरी के लोहे के ऊपर रखकर छिपाते थे।

4–5 महीने से चल रहा था गोरखधंधा

पुलिस के अनुसार सभी आरोपी पिछले चार–पांच महीने से संगठित रूप से बीएसपी से फ्लू डस्ट में लोहे का सामान मिलाकर चोरी कर रहे थे। जब्त लोहे का वजन करीब 250 टन और कीमत लगभग 90 लाख रुपये है। वाहनों समेत कुल जब्ती 3.22 करोड़ रुपये की है।

संगठित अपराध की धारा जोड़ी

आरोपियों से दस्तावेज मांगे जाने पर कोई कागजात पेश नहीं कर सके। थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 277/2026 धारा 303(2), 317(4), 3(5), 112 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण में संगठित अपराध की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेजा

गिरफ्तार आरोपी में मिथेन ठाकुर, निवासी सिकोला बस्ती, मोहन नगर, दुर्ग, चिंतानंद साहू, 40 वर्ष, बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, गीतेश वर्मा, 36 वर्ष, टाटा लाइन, कोहका और निर्मल सिंह, 52 वर्ष, ईडब्ल्यूएस 697, वैशाली नगर शामिल हैं। चारों गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और बीएसपी के अंदरूनी लिंक की जांच कर रही है।

कूकदा डैम में हादसा : पिकनिक मनाने आए युवक युवती की डूबने से मौत

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

पांडुका थाना क्षेत्र स्थित पैरी नदी के कूकदा पिकअप विवर में गुरुवार शाम पिकनिक मनाने आए रायपुर के दो युवक–युवती की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

नहाने के दौरान गहरे पानी में गए : जानकारी के अनुसार रायपुर के शंकर नगर से चार युवक–युवतियां कार से कूकदा पिकअप विवर घूमने पहुंचे थे। पिकनिक के दौरान सभी डैम में नहाने उतरे। इसी दौरान 22 वर्षीय सिंपी सक्सेना और 30 वर्षीय पीयूष मंडल गहरे पानी वाले हिस्से में चले गए और डूबने लगे। साथियों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी की गहराई और बहाव के चलते सफल नहीं हो सके।

स्थानीय लोगों की मदद से निकाले शव : सूचना पर ग्रामीण और पांडुका पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव पानी से बाहर निकाले गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परिजनों में शोक की लहर: मृतकों की पहचान सिंपी सक्सेना 22 वर्ष और पीयूष मंडल 30 वर्ष, निवासी शंकर नगर, रायपुर के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिजन गरियाबंद के लिए रवाना हो गए।

एसडीओपी ने की पुष्टि : गरियाबंद एसडीओपी निशा सिन्हा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए, जिससे डूबने से मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे : बताया गया कि कूकदा पिकअप विवर में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। सिंचाई विभाग ने क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाए हैं और पानी के पास जाने से मना किया गया है। सुरक्षा के लिए घेराबंदी भी की गई है, लेकिन लोग चेतावनियों को नजरअंदाज कर जोखिम उठाते हैं।

नौतपा के पांचवे दिन बदला मौसम, गर्मी से मिलेगी राहत

छत्तीसगढ़ में आंधी–बारिश का असर, कई जिलो में यलो अलर्ट जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर–दुर्ग–भिलाई

छत्तीसगढ़ में नौतपा के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। शुक्रवार की सुबह–सुबह दुर्ग जिले में हल्की बारिश हुई है जिससे भीषण गर्मी और हीटवेव से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिलने लगी है। प्रदेश के कई इलाकों में तेज हवा, गरज–चमक और बारिश का असर देखने को मिला है। अंबिकापुर और सूरजपुर समेत उत्तर छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग ने रायपुर सहित कई जिलों के लिए यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। तेज आंधी, वज्रपात और बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वहीं सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर–चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला–पेंड्रा–मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर और कोरिया में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, लेकिन कुछ इलाकों में लू का असर बना रहा। अब बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और स्थानीय सिस्टम के सक्रिय होने से मौसम बदल रहा है, जिससे अगले 24 घंटों में तापमान में गिरावट आने के संकेत हैं। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहने, गरज–चमक के साथ बारिश और तेज अंधड़ चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान करीब 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और आकाशीय बिजली के समय खुले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है।

सेल की मानव संसाधन नीति अब कोर्ट के हवाले, संवादहीनता से बढ़ा विवाद

मैनेजमेंट-यूनियन बैठक न होने से अधिकतर मुद्दे अदालत में, करोड़ों खर्च

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-भिलाई

महारत्न और ग्रेट प्लेस टू वर्क का दर्जा प्राप्त स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में प्रबंधन और यूनियनों के बीच संवादहीनता चरम पर पहुंच गई है। बैठकें न होने से कर्मचारियों के ज्यादातर मुद्दे अब देश के विभिन्न न्यायालयों में पहुंच गए हैं। इससे सेल के करोड़ों रुपये वकीलों और अदालती खर्च पर बह रहे हैं।

डीपी, ईडी एचआर, सीजीएम-जीएम होने के बावजूद मुद्दे अटके

सेल में निदेशक कार्मिक, हर यूनिट में ईडी एचआर, सीजीएम एचआर और जीएम स्तर के अधिकारी मौजूद हैं। इसके बावजूद कमर्चारियों के मुद्दे अटके हैं। यूनियनों का आरोप है कि प्रबंधन लगातार बैठक नहीं कर रहा, न ही निदेशक प्रभारी, निदेशक कार्मिक और चेयरमैन यूनियन प्रतिनिधियों को मिलने का समय दे रहे हैं। एनजेसीएस की बैठक भी पिछले ढाई साल से नहीं हुई है।

10 साल बाद हारा सेल, लाखों खर्च

सबसे बड़ा उदाहरण एनजेसीएस को आरटीआई के दायरे में रखने का मुकदमा है। 2016 में सेल प्रबंधन ने दिल्ली हाईकोर्ट में केस किया, जिसमें 2026 में उसे हार मिली। इस एक केस में 10 साल में कई लाख रुपये खर्च हो गए। लोकपाल के यहां अधिकारियों की पैरवी के लिए 70 लाख और भद्रावति से बोकारो ट्रांसफर हुए एक अधिकारी के केस में 25 लाख रुपये वकील फीस के तौर पर चुकाए गए।

इस्पात मंत्रालय और श्रम विभाग मौन

यूनियनों का आरोप है कि इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव और सेल डिविजन के अधिकारी भी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं कर रहे। श्रम एवं नियोजन विभाग के मुख्य श्रमायुक्त, उप मुख्य श्रमायुक्त के पास भी कई मामले अटके हैं, जबकि उन्हें अनुचित श्रम व्यवहार पर सीधे हस्तक्षेप का अधिकार है।

नए श्रम कानून पर भी सेल में पहल नहीं

अन्य पीएसयू नए श्रम कानून लागू करने के लिए पहल कर चुकी हैं। कोल इंडिया ने 5 जून को यूनियनों के साथ बैठक बुलाई है, लेकिन सेल में अब तक कोई पहल नहीं हुई। बीएकेएस ने इस मुद्दे पर कई बार पत्र भी लिखा है।

एचआर विभाग की जरूरत ही क्या

बीएकेएस के कायकर्ारी अध्यक्ष रणधीर कुमार ने कहा, जब सेल की मानव संसाधन नीति और कर्मचारियों के मुद्दे अदालत में ही तय होंगे तो सेल का मानव संसाधन विभाग, इस्पात मंत्रालय तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की जरूरत ही नहीं होनी चाहिए।

सेल से जुड़े प्रमुख अदालती मामले

1. वेज रिवीजन में धांधली 15% एमजीबी, 35% पर्क्स, 39 माह के फिटमेंट, 58 माह के पर्क्स और ब्याज — कैट प्रिंसिपल बेंच दिल्ली, बीएकेएस भिलाई
2. एनजेसीएस में सुधार — दिल्ली हाईकोर्ट, बीएकेएस बोकारो
3. बोनस फॉर्मूला में सुधार — कैट दिल्ली, आरएकेएस राउरकेला
4. ग्रेच्युटी मामला — कोलकाता हाईकोर्ट, सीटू दुर्गापुर
5. यूनियन चुनाव — भिलाई हाईकोर्ट बिलासपुर, बोकारो हाईकोर्ट रांची, इस्को बनर्पुर हाईकोर्ट कोलकाता
6. सीटीसी में धांधली — कैट बेंगलुरु
7. टारगेटेड कमर्चारियों का मामला — कैट जबलपुर
8. जन्मतिथि, ट्रांसफर, निलंबन, इंक्रीमेंट कटौती — कैट रांची
9. विभिन्न सीजीआईटी और उप मुख्य श्रमायुक्त के यहां औद्योगिक विवाद दर्ज

खास खबर

शासकीय स्कूलों और अस्पतालों का स्तर सुधारने यहां भी निगरानी समिति और जांच समिति का गठन हो : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने निजी स्कूलों की मनमानी रोकने शिक्षा विभाग द्वारा विशेष निगरानी समिति एवं जांच समिति गठित करने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि सरकार को इसी तरह की गंभीरता शासकीय स्कूलों और अस्पतालों पर भी दिखाना चाहिए। शासकीय स्कूलों की पढ़ाई का स्तर एवं शासकीय अस्पतालों में इलाज का स्तर कितना गिर चुका है यह किसी से छिपा नहीं है। सब कुछ भगवान भरोसे है। अच्छा होता कि शासन, शासकीय स्कूलों और अस्पतालों की गुणवत्ता की जांच के लिए भी इसी तरह की निगरानी समिति और जांच समिति का गठन करती जिससे शिक्षा और इलाज का स्तर ऊपर उठता तथा आमजनों को राहत मिलती। श्री चंद्राकर ने कहा कि सरकारी स्कूलों में आज ना पर्याप्त शिक्षक हैं ना आवश्यक सुविधाएं। जो शिक्षक हैं उनकी भी ड्यूटी साल भर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लगा दी जाती हैं। वह पढ़ाई लिखाई छोड़कर गली-गली भटकते रहता हैं। राज्य सरकार हो या केन्द्र सरकार, सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को उठाने कोई प्रयास नहीं किया जा रहे हैं इसके विपरीत प्रत्येक वर्ष शिक्षा के बजट में कटौती होती जा रही है। शिक्षा न तो राज्य सरकार की प्राथमिकता है और न केन्द्र सरकार की ।

श्री चंद्राकर का कहना है कि सरकारी शिक्षकों को साल भर गैर शैक्षणिक कार्यों में उलझाए रखा जाता है। शिक्षकों को बाबू समझ कर सभी कार्य करवाए जा रहे हैं जैसे जनगणना, पशु गणना, पल्स पोलियों अभियान में बच्चों को दवा पिलाना, विधालय में पोषाहार के बारे में सभी जानकारी रखना , पोषाहार बनवाना, वितरण करवाना, पोषाहार की व्यवस्था के लिए दौड़ भाग करना आदि। ऐसे में शिक्षक, बच्चों को क्या पढ़ाएगा ? श्री चंद्राकर का कहना था कि यही हाल शासकीय अस्पतालों का है। पर्याप्त संख्या में ना नर्स हैं ना डॉक्टर, और न ही मेडिकल सुविधाएं। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज इतना महंगा है कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों की ओर ही रुख करता है। उन्होंने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार 80% सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। सरकार ने खुद यह रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स और जरूरी उपकरणों की भारी कमी है। यह रिपोर्ट 'नेशनल हेल्थ मिशन' के तहत आने वाले सरकारी अस्पतालों की हालत बताती है। श्री चंद्राकर ने कहा कि कभी-कभी सरकार की ओर से अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया जाता है लेकिन यह सिर्फ खानापूर्ति होती है।

श्री चंद्राकर का कहना था कि शासन प्राइवेट स्कूलों की तरह ही शासकीय स्कूलों और अस्पतालों का स्तर सुधारना चाहता है तो उसे यहां भी निगरानी समिति और जांच समिति का गठन करना चाहिए। इन समितियां की जवाबदेही होगी कि वह समय समय पर स्कूलों और अस्पतालों का भ्रमण कर वहां की ग्राउंड रिपोर्ट लेकर शासन को अपनी रिपोर्ट दें ताकि शासकीय स्कूलों में पढ़ाई और अस्पतालों में इलाज का स्तर बढ़ सके।

सम्मानित हुए संयुक्त निदेशक नंदलाल चौधरी

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास के संयुक्त निदेशक नंदलाल चौधरी इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ ज्ञान विज्ञान ज्योतिष संस्थान से भी जुड़े हैं। संस्थान के पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनके सम्मान में एक गरिमामय समारोह का आयोजन भिलाई निवास कॉफी हाउस के सभागार में किया। ज्ञात हो कि सेक्टर-2 निवासी नंदलाल चौधरी पवार क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। समारोह में उपस्थित लोगों ने श्री चौधरी के व्यक्तित्व की सराहना की। वहीं श्री चौधरी ने अपने सम्मान के लिए सभी का आभार जताया। उनकी सेवानिवृत्ति पर आयोजित सम्मान समारोह में गीतांजलि चौधरी, गौरव चौधरी, पल्लव चौधरी, भुनिशा चौधरी, उमेश चितलांगिया एनआईटी एलुमनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ ज्ञान विज्ञान ज्योतिष संस्थान के संरक्षक, एक्सपर्ट पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन, एस्ट्रोलॉजर पीडी स्वणकार, एस्ट्रोलॉजर राकेश शर्मा, एस्ट्रोलॉजर बीपी पटेल, एस्ट्रोलॉजर राजेंद्र केसर, बैडमिंटन की राष्ट्रीय खिलाड़ी संगीता राजगोपालन, संतोष सोनी, प्रवीण आहूजा, प्रवीण सिंह, राजेंद्र सोनबोइर और देवेश सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

शहर में सुबह से शुरू हुआ ईद की नमाज का सिलसिला, तीन दिन तक घरों में होगी कुर्बानी

शहर में ईद उल अजहा की रौनक रही, अमन की दुआओं के लिए उठे हाथ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर में गुरुवार को ईद उल अजहा की रौनक रही। सुबह 7 बजे से शहर की अलग-अलग मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज शुरू कर दी गई थी। अलग-अलग वक्त में इन मस्जिदों-ईदगाहों में हजारों की तादाद में लोगों ने ईद की नमाज अदा की। इसके साथ ही तीन दिन तक चलने वाला कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। वहीं इस्पात नगरी भिलाई से हज पर गए जायरीनों का हज पूरा होने की खुशियां उनके घरवालों ने मनाई।

जामा मस्जिद सेक्टर-6 की ईदगाह में सुबह 8 बजे ईद की नमाज अदा की गई। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने अपनी सालाना रिपोर्ट में मस्जिद में जारी कार्यों के साथ आवाम के सामने ट्रस्ट की आय-व्यय का ब्यौरा दिया। नमाज के बाद मुल्क में अमन व तरक्की की दुआएं की गईं। ईदगाह मैदान में मौजूद विभिन्न धर्म व समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुस्लिम भाईयों को गले मिल कर ईद की मुबारकबाद दी। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट की ओर से सभी मेहमानों के लिए सेवइयों का इंतजाम भी किया गया।

नमाज के बाद घरों में कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। लोगों ने अपने अपने सामर्थ्य के अनुरूप बकरों की कुर्बानी दी। यह कुर्बानी लोग अपनी सुविधा अनुसार 29 व 30 मई तक करेंगे। हज के मुबारक सफर पर जायरीनों के घर भी खुशियों का माहौल रहा। लोगों ने फोन और वीडियो कॉल पर बात कर अपने परिजनों को हज पूरा होने की मुबारकबाद दी। इधर ईद की नमाज के बाद लोग कब्रिस्तान भी पहुंचे। जहां अपने परिजनों की कब्र पर फूल चढा कर फातिहा पढ़ी। ईद के मौके पर देर रात तक मुबारकबाद देने एक दूसरे के घरों में लोग पहुंचे। ईद की नमाज को देखते हुए यातायात पुलिस ने ईदगाहों और मस्जिदों के आगे सुबह से ही चाक चौबंद व्यवस्था कर रखी थी।

मकर्जी मस्जिद पावरहाउस कैम्प 2 मे ईदुल अजहा की नमाज इमाम हाफिज क़ासिम बस्तवी ने अदा करवाई। नमाज से पहले आवाम को खिताब करते हुए मौलाना जुनैद ने कहा कि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम व उनके बेटे हजरत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी इंसानियत के लिए बड़ा पैगाम है कि अपनी महबूब प्यारी चीज को अल्लाह के राह में कुर्बान कैसे करें। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में इंसानियत को जिंदा रखने की जरुरत है। अल्लाह के नबी हजरत मोहम्मद सल्लु अलैहिस्सलाम ने सादगी की जिंदगी अपनाने, दूसरों की खैर ख्वाही और अमन के लिए हमेशा कुरबानी की तालीम दी है, हमें उसी रास्ते पर चलना होगा। इस मौके सभी ने मिलकर अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांग कर नेक और सीधे रास्ते पर चलने, आपसी मोहब्बत-भाईचारा कायम करने के साथ मुल्क की तरक्की अमन-चैन की दुआएं की। इस मौके पर सदर मोहम्मद असलम, नायब सदर इमामुद्दीन पटेल, सेक्रेटरी सैय्यद असलम, खजांची निजामुद्दीन,नायब सेक्रेटरी मोहम्मद अकरम,नायब खजांची हाफिज महफूज, युसूफ सिद्दीकी, हाफिज अहमद, जफर कुरैशी, अलीम, मोहम्मद सोहेल मोहम्मद और अशरफ इनाम सहित बड़ी तादाद में मौजूद लोगों ने एक दूसरे को ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी।

शेर-ए-खुदा मस्जिद हाउसिंग बोर्ड ईदगाह में सुबह हजरत अल्लामा मौलाना ताज़िम रजा मिस्बाही ने नमाज अदा करवाई। मस्जिद कमेटी के सदर हाजी ताहिर सिद्दीकी की तरफ से तमाम नमाज़ियों को दिली मोहब्बत के साथ ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद पेश की गई। ईद-उल-अजहा की नमाज के बेहतर इंतजामात को देखते हुए जामुल थाना प्रभारी रामेन्द्र सिंह एवं थाना स्टाफ की गरिमामयी मौजूदगी रही। इस मौके पर हाजी एम. एच. सिद्दीकी, कमेटी के सरपरस्त इस्तेखार सिद्दीकी, रशीद खान, हाजी मुश्ताक अहमद, जाकिर हुसैन, मोहम्मद, अब्दुल माजिद उर्फ गुड्डु भाई, सैय्यद इरफान रिजवी, जावेद खान, अहमद हुसैन उर्फ छोटू , रेयाज अहमद, फि रोज अहमद, मेराज अहमद खान, नजीर खान, अबरार रजा, आफताब हुसैन, समर, सुब्हान अंसारी और फि रोज उस्ताद सहित तमाम लोगों ने अपनी भागीदारी दी।

दुर्ग जिले में 24 शासकीय उचित मूल्य दुकानों का आबंटन निरस्त, नए आवेदन आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले की 24 शासकीय उचित मूल्य दुकानों (राशन दुकानों) के संचालन में अनियमितता पाए जाने पर उनका आबंटन निरस्त कर दिया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कंडिका 16 के तहत यह कार्यवाही की गई है।

निरस्त दुकान-महिला स्व सहायता समूह, संगवारी खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उप सेवा सह समिति मर्या., नवीन महिला स्व सहायता समूह, शंकरा महिला स्व सहायता समूह, जय शक्ति महिला स्व सहायता समूह, जय श्री कृष्ण महिला स्व सहायता समूह, दुर्ग सहकारी विपणन समिति, कृषक सेवा सहकारी समिति कोहका, जय सदाराम महिला स्व सहायता समूह, मां अन्नपूर्णा स्व सहायता समूह, सामुदायिक विकास समिति भिलाई, एकता महिला स्व सहायता समूह, सामुदायिक विकास समिति भिलाई, बीएसपी प्राथमिक सह.उप. भण्डार, सहकारी उपभोक्ता भण्डार भिलाई, विन्ध्यवासिनी महिला स्व सहायता समूह, नवीन प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार, स्टील नगर महिला स्व सहायता समूह, मं जय भवानी महिला स्व सहायता समूह, इस्पात कमर्चारी कन्ज्यूमर कोआपरेटिव स्टोर्स मर्या. भिलाई, सामुदायिक विकास समिति रविदास नगर भिलाई, संतोषी महिला स्व सहायता समूह, भूतपूर्व सैनिक कल्याण संघ केम्प 1 भिलाई और प्रेरणा महिला स्व सहायता समूह शामिल है। शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु आवेदन केवल संबंधित वार्ड की स्थानीय संस्था द्वारा ही स्वीकार किए जाएंगे। स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व-सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विर्निदिष्ट उपक्रम, वन सुरक्षा समितियां से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है।

खाद्य नियंत्रक से प्राप्त जानकारी अनुसार उचित मूल्य की दुकानों आबंटन ऐसे अन्य सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों का किया जाएगा, जो आवेदन प्रस्तुत करने की तारीख से कम से कम तीन माह पूर्व पंजीकृत एवं कार्यरत हो तथा सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य का अनुभव हो, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। छ.ग. सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदेश 2016 मे दिए गए निर्देशों के अनुरूप ही शासकीय उचित मूल्य दुकानों का आबंटन किया जाएगा।

आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति/साधारण डाक के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय (खाद्य शाखा) दुर्ग कार्यालय में जमा करना होगा। दुकान आबंटन की प्रक्रिया न्यायालयीन निर्णय एवं शासन के निर्देशों के अधीन होगी। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

दीपक नगर वार्ड में 36 लाख रुपये के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

दीपक नगर वार्ड में विकास को गति, सीसी रोड और नाली निर्माण कार्यों का किया गया शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दीपक नगर वार्ड क्रमांक 23 में नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं आधारभूत अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर के उपस्थिति में किया गया। इस दौरान क्षेत्र के नागरिकों की मौजूदगी में लगभग 36 लाख रुपये की लागत से सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई।

भूमि पूजन अंतर्गत सड़क नंबर 1 एवं 2 सहित अन्य स्थानों पर नाली निर्माण कार्य 17.50 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त सड़क नंबर 4 स्थित अनुप गटागट के सामने 9.66 लाख रुपये की लागत से सीमेंटीकरण कार्य तथा सड़क नंबर 6 में 8.50 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को जल निकासी, आवागमन तथा मूलभूत सुविधाओं में बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध रूप से विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों को बेहतर सड़क, नाली एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निगम प्रशासन लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि बरसात के पूर्व नाली निर्माण एवं जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि नागरिकों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,शेखर चंद्राकर, वार्ड पार्षद मनोज सोनी,रंजीता पाटिल,लोकेश्वरी ठाकुर,युवराज कुंजाम, मनीष कोठारी,पूर्व पार्षद मीना सिंह,विजय जलकारे,अरुण सिंह, कायर्पालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, उप अभियंता अपर्णा मिश्रा सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

बीआईटी दुर्ग में भारतीय ज्ञान परंपरा पर हुआ चर्चात्मक व्याख्यान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रबुद्ध परिषद, छत्तीसगढ़ द्वारा भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) दुर्ग में 25 मई को नई शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के क्रियान्वयन पर चर्चात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय कायकर्ांणी सदस्य सदानंद दामोदर सप्रे ने विभिन्न संकायों के प्रवक्ताओं व विभाग प्रमुखों को संबोधित किया। उन्होंने तीन प्रमुख बिंदुओं पर कार्य करने का आह्वान किया।

श्री सप्रे ने कहा कि वतर्मान में उपलब्ध अच्छी तकनीकी अंग्रेजी पुस्तकों का हिंदी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जाना चाहिए। दूसरा, हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं में नई तकनीकी पुस्तकें लिखी जाएं। तीसरा, भारतीय ज्ञान परंपरा पर ऐसी पुस्तकें तैयार हों जिनमें प्राचीन भारत के विज्ञान व तकनीकी योगदान के साथ वतर्मान उपलब्धियों का संदर्भ सहित उल्लेख हो।

व्याख्यान के बाद प्रवक्ताओं ने आईकेएस से संबंधित पुस्तकों की विषय सामग्री व प्रकाशन पर सवाल पूछे, जिनका श्री सप्रे ने समाधान किया। प्रबुद्ध परिषद के प्रचार आयाम प्रमुख संजय कुमार मिश्र ने आवश्यकता पड़ने पर पुस्तक प्रकाशन में सहयोग देने की बात कही। कार्यक्रम में करीब 60 प्रवक्ता उपस्थित थे। समन्वयक प्रो. एसपी शुक्ला ने आभार जताया और भविष्य में आईकेएस पर केंद्रित एक दिवसीय मार्गदर्शन के लिए डॉ. सप्रे से अनुरोध किया।

शक्ति नगर तालाब गहरीकरण व पिचिंग कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में जल संरक्षण एवं तालाब संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए शक्ति नगर तालाब के गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य में तेजी लाई जा रही है। महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद सुरूचि उमरे, अरुण सिंह, उपअभियंता पंकज साहू एवं वाडर्वासियों के साथ वार्ड क्रमांक 17 स्थित शक्ति नगर तालाब पहुंचकर चल रहे कार्यो का निरीक्षण किया और प्रगति का जायजा लिया।

नगर निगम प्रशासन द्वारा पटरीपार क्षेत्र स्थित शक्ति नगर तालाब के संरक्षण एवं जल संरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तालाब गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य के लिए लगभग 45 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर कार्यादेश जारी किया गया है। वतर्मान में कार्य तेजी से जारी है तथा अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि

तालाब गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य तेजी से किया जा रहा है और आगामी 15 से 20 दिनों के भीतर कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा तालाब की संरचना अधिक मजबूत एवं सुरक्षित होगी।

महापौर अलका बाघमार ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ-साथ जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। तालाबों का संरक्षण भविष्य में जल संकट से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। शक्ति नगर तालाब का गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को सीधा लाभ मिलेगा और जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूर्ण कराने का प्रयास किया जा रहा है। तालाब विकास कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जल संरचना मजबूत होगी तथा नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान : महापौर मीनल चौबे ने सामुदायिक भवन में आरआरआर सेंटर नए स्वरूप में किया प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन कमांक 4 क्षेत्र के अंतर्गत ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र अंतर्गत धोबीपारा उद्यान के समीप सामुदायिक भवन में आरआरआर सेंटर नये स्वरूप में प्रारंभ हो गया। वहां पहुंचकर नगर निगम के जोन 4 के आरआरआर सेंटर का नये स्वरूप में लोकार्पण कर शुभारम्भ नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने शानदार सौगात दी ।

इस नये स्वरूप वाले आरआरआर सेंटर में नगर निगम रायपुर द्वारा एक ई बैटरी वाहन उपलब्ध कराया गया है जो नगर निगम जोन क्रमांक 4 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 7 वाडी में जाकर वहां से रहवासी नागरिकों के घरों से अनुपयोगी वस्तुएं संग्रह करके लाने का कार्य करेगा, जिन्हें समाज के

जरूरतमंद नागरिकों को स्वच्छ भारत मिशन योजना स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 अंतर्गत उपलब्ध कराया जायेगा। इस नये स्वरूप वाले आरआरआर सेंटर में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर महिलाओं के कल्याणार्थ सिलाई मशीन की व्यवस्था दी गई है। जिस पर महिलाएं कार्य कर रोजगारयुक्त हो सकेंगी एवं आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगी। यहां नये स्वरूप वाले आरआरआर सेंटर का संचालन घरोहर स्वसहायता समूह की पदाधिकारी महिलाओं के माध्यम से जनहित में योजना अंतर्गत किया जायेगा। साथ ही वहां बर्तन बैंक, झोला बैंक की व्यवस्था रखी गयी है। अलग - अलग आलमारियों के खंड़ों में पुराने कपड़ों , जूते - चप्पलों , इलेक्ट्रानिक सामानों, पुराने बतर्नों, पुराने प्लास्टिक सामानों अन्य पुरानी अनुपयोगी वस्तुओं को रखने की व्यवस्था दी गई है। जिससे नागरिकों को यहां नगर निगम जोन 4 के ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र में धोबीपारा उद्यान के समीप सामुदायिक भवन तक पहुंचकर अपने घरों की अनुपयोगी वस्तुओं को देना सहज और सरल हो सके। इससे पर्यावरण संरक्षण सहित जरूरतमंद नागरिकों तक उनके उपयोग की वस्तुएं सहजता से पहुंचायी जा सकेंगी।

इस अवसर पर नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने नागरिकों को बताया कि आरआरआर (रिड्यूज, रियूज, रिसायकल) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की एक महत्वपूर्ण अवधारणा है, जिसका उद्देश्य कचरे को स्रोत पर कम करना, उपयोग योग्य वस्तुओं का पुनःउपयोग बढ़ाना तथा अपशिष्ट का पुनर्चक्रण कर संसाधनों का संरक्षण करना है। इसके माध्यम से लैंडफिल में जाने वाले कचरे में कमी आती है, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और सर्कुलर इकॉनमी को मजबूती मिलती है। आरआरआर सेंटर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जहाँ नागरिक अपनी उपयोग योग्य वस्तुएँ दान करते हैं, जिन्हें मरम्मत कर जरूरतमंदों को निःशुल्क या न्यूनतम लागत पर उपलब्ध कराया जाता है। आरआरआर सेंटर में संग्रहित एवं मरम्मत की गई उपयोग योग्य वस्तुओं को जरूरतमंद नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

इसके साथ ही जो सामग्री पुनः उपयोग योग्य नहीं होंती, जैसे पुराने व अनुपयोगी कपड़े, उन्हें स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा पुनर्चक्रित कर थैले, झोले आदि उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। इसके अतिरिक्त शेष अपशिष्ट को अधिकृत रिसाइक्लर्स एवं प्रोसेसिंग यूनिट्स तक भेजा जाता है, जिससे वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित होता है और सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा मिलता है। महापौर मीनल चौबे ने रायपुर नगर पालिक निगम की ओर से आगामी विश्व पर्यावरण दिवस दिनांक 5 जून 2026 के अवसर पर सभी नागरिकों से एक बार पुनः विनम्र अपील की है कि कृपया अपने घर में उपयोग में न आने वाली वस्तुओं को आरआरआर सेंटर में जमा करने का कष्ट करें। नागरिकों के इस छोटे से प्रयास से न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलेगा, बल्कि इन वस्तुओं के माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान भी लाई जा सकेगी।

खास खबर

कानून व्यवस्था फेल, थम नहीं रहा अपराध का सिलसिला - पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ते अपराधों को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है और अपराध का सिलसिला थम नहीं रहा। बैज ने कहा कि पिछले 24 घंटों में पेंड्रा के कोटमी बाजार में सराफा कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। राजधानी रायपुर के कुशालपुर क्षेत्र में गैंगवार हुआ। गंज थाना क्षेत्र में सरेआम चाकूबाजी में एक युवक की हत्या कर जेवरात लूट लिए गए। एक ही दिन में 5-5 चाकूबाजी की घटनाएं हुईं। बिंद्रानवागढ़ के देवभोग में महिला समेत परिवार के चार सदस्यों पर ब्लेड से हमला किया गया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति और दोनों बेटे गंभीर रूप से घायल हैं।

पुलिस का दुरुपयोग कर रही सरकार

दीपक बैज ने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग राजनैतिक विद्वेष निकालने और विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने में कर रही है। अपराध रोकना सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। पीड़ित ही प्रताड़ित किए जा रहे हैं और अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। जुआ, सट्टा, रेत माफिया, भू-माफियाओं से मिलीभगत कर वसूली गिरोह चलाने में सत्ताधारी नेताओं की रुचि है, जिससे कानून व्यवस्था बदतर हो रही है।

नशे के कारोबार को संरक्षण का आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बढ़ते अपराधों का प्रमुख कारण सरकार द्वारा नशे के कारोबार को दिया जा रहा संरक्षण है। अवैध शराब, अफीम की खेती और सूखे नशे का कारोबार तेजी से फैला है। रायगढ़, कोरबा, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर सहित पूरे प्रदेश में दिन-दहाड़े हत्या और चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ी हैं। अपराधियों में कानून और पुलिस का खौफ खत्म हो गया है।

सोशल मीडिया पर दहशत

बैज ने कहा कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए रील बनाकर धमकियां दी जा रही हैं। पुलिस इस पर नकेल कसने में नाकाम है। तेलीबांधा श्याम नगर इलाके में पूरे मुहल्ले की लाइट बंद कर गैंगवार किया गया। दिनदहाड़े चाकूबाजी, गोलीबारी, गैंगवार हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय शूटरों की आमद छत्तीसगढ़ में हो चुकी है। कुख्यात गिरोह के गुर्गों की पनाहगाह बन चुकी है, लेकिन सरकार अपराध नियंत्रण के बजाय हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

सरकार जनगणना के आंकड़े बदलवा रही, यह देशद्रोह - सुशील आनंद शुक्ला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया है कि सरकार दुर्भावनापूर्वक जनगणना के वास्तविक आंकड़े बदलवा रही है। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों द्वारा एकत्रित तथ्यों में फेरबदल के लिए उच्चाधिकारियों द्वारा दबाव डाला जा रहा है।

छवि सुधारने के लिए हो रहा फेरबदल

शुक्ला ने कहा कि यदि किसी घर में उज्ज्वला गैस कनेक्शन है लेकिन गैस नहीं भरवा पाने के कारण चूल्हे पर खाना बन रहा है, या किसी ने शौचालय नहीं होने की बात बताई है, या झोपड़ी में रहने वाले पात्र व्यक्ति को प्रधानमंत्री आवास नहीं मिला है और उसने यही जानकारी दी है, तो जनगणना के उच्चाधिकारी इन आंकड़ों को बदलवा रहे हैं। यह सरकार की छवि सुधारने के लिए किया जा रहा है।

योजनाएं गलत बनेंगी

उन्होंने कहा कि जनगणना के वास्तविक आंकड़े और तथ्यों को बदलना देशद्रोह का काम है। हजारों-करोड़ों रुपये खर्च कर जनगणना कराई जा रही है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर अगले दशक के लिए देश की तमाम योजनाएं, विकास कार्यों की रूपरेखा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और गरीबों-वंचितों के कल्याण की योजनाएं बनेंगी। जब आंकड़े ही सही नहीं होंगे तो योजनाएं सही कैसे बनेंगी?

एफआईआर की चेतावनी

कांग्रेस संचार प्रमुख ने कहा कि जनगणना के तथ्यों से छेड़छाड़ गंभीर अपराध है और कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है। कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसी गतिविधियों पर नजर रखे हैं। यदि कोई भी व्यक्ति आंकड़ों में हेराफेरी करेगा तो उसके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ेगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

छग की वास्तविक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि को दुनिया के सामने लाना हमारा उद्देश्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और इसी क्रम में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के

पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

बैठक के दौरान इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष अपने निवेश प्रस्ताव के महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए और बताया कि कंपनी छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस निवेश से प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है तथा सभी आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है।

बैठक में यह भी बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते व्यापक रूप से खुले हैं। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक अधोसंरचना, उच्चस्तरीय सुविधाओं और निवेश प्रोत्साहन नीतियों के माध्यम से विकसित करने की दिशा में विशेष पहल कर रही है। प्रदेश की बेहतर मानसूनी परिस्थितियां, समृद्ध प्राकृतिक संपदा और निवेश अनुकूल नीति पर्यटन विकास के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही हैं।

बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों ने निवेश प्रोत्साहन नीति तथा उपलब्ध इंसेंटिव्स की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई निवेशक 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है अथवा 1000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है, तो उसे बी-स्पोक पॉलिसी के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन एवं विशेष लाभ प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, आवासीय सुविधाओं तथा पर्यटक सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, निवेश आयुक्त ऋतु सेन, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग सचिव रजत कुमार, पर्यटन विभाग सचिव डॉ. एस. भारतीदासन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने हायर सेकंडरी स्कूल भवन का किया भूमिपूजन

1.21 करोड़ की लागत से बनेगा सर्वसुविधायुक्त स्कूल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव लोरमी में हायर सेकंडरी स्कूल भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने बताया कि स्कूल भवन के निर्माण के लिए 1 करोड़ 21 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। आज से निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो गई है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि अनुबंध के अनुसार स्कूल भवन का 8 महीने में पूरा किया जाना है। उन्होंने ठेकेदार को निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्य समय से पहले और पूरी गुणवत्ता के साथ हो, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि जहां बच्चों का भविष्य तैयार होता है, उस स्कूल का अच्छा भवन बनना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

निर्माणाधीन सड़क का किया निरीक्षण

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने लोरमी से गोंडखाम्ही नहर तक लगभग 10 किलोमीटर निर्माणाधीन सड़क का जायजा लिया। उन्होंने पोल शिफ्टिंग सहित सड़क निर्माण से जुड़े सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

श्री साव ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से सड़क निर्माण की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

नागरिकों की सुविधा सवीपरि, भविष्य की जरुरतों के अनुरूप करें निर्माण'-मुकेश बंसल

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश बंसल ने निर्माणाधीन पुलों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने सेतु परिक्षेत्र के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेशभर में निर्माणाधीन पुलों, रेलवे ओवरब्रिजेस और फ्लाईओवर्स के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विभागीय मुख्यालय निर्माण भवन में आयोजित बैठक में नागरिकों की सुविधा, बारहमासी संपर्क, तेज और सुव्यवस्थित यातायात के लिए पुलों, रेलवे ओवरब्रिजेस और फ्लाईओवर्स के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने इनके प्रस्ताव और कायर्योजना तैयार करते समय यातायात के दबाव, दोनों ओर की सड़कों, तथा आसपास स्थित वतर्मान पुलों व फ्लाईओवर्स के साथ ही भविष्य की जरुरतों का भी ध्यान रखने को

कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी और सेतु परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता भी एसके कोरी भी बैठक में मौजूद थे। सभी सेतु संभागों के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और अनुविभागीय अभियंता भी बैठक में उपस्थित थे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में स्वीकृत कार्यों के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी स्तर पर वन व्यपवर्तन, भू-अर्जन और इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग के लंबित मामलों से यथासमय शासन को अवगत कराने को कहा, जिससे इनके निराकरण की कार्यवाही उच्च स्तर से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तकनीकी स्वीकृति, भू-अर्जन और निविदा की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से तेजी से पूर्ण कर कार्यारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों के लिए अर्जित भूमि का तत्काल नामांतरण भी कराने को कहा।

विभागीय सचिव ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 और पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत कार्यों की प्राथमिकता सूची तैयार कर 10 जून तक भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने 31 जुलाई तक इन सभी कायी के प्राक्कलन भी भेजने को कहा। उन्होंने अप्रारंभ कार्यों की निविदा प्रक्रिया आगामी एक-दो महीने में पूर्ण कर बरसात के तुरंत बाद कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों का परीक्षण कर हर महीने भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही 30 अप्रैल तक किए कार्यों का भुगतान तत्काल करने को कहा।

श्री बंसल ने सेतु परिक्षेत्र के सभी कार्यपालन अभियंताओं और एसडीओ को अपने क्षेत्र में चल रहे सभी कार्यों और उनके कार्यस्थलों की पूरी जानकारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने फील्ड का नियमित दौरा कर ठेकेदारों से सख्ती से काम कराने और उन्हें समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने काम में ढिलाई, लापरवाही और लेट-लतीफी करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध नियमानुसार तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्च-2026 तक पूर्ण हुए कार्यों के पूणर्ता प्रमाण पत्र और फाइनल बिल समीक्षा के लिए शासन को भेजने के भी निर्देश दिए।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना शासन की पहली प्राथमिकता -विजय शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के तहत मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत भनसुला में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री द्वारा जिले की महिला स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का मोहला ब्रांड के रूप में शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन और प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदशिर्ता और सरलता के साथ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें और किसी भी समस्या या

आवश्यकता को प्रशासन तक सीधे पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवाओं एवं हर वर्ग के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो तथा जनता को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि आज राज्य नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और पारदशिर्ता बनाए रखें।

हितग्राहियों विभिन्न योजनाओं से किया गया लाभान्वित

ग्राम पंचायत भनसुला क्लस्टर के 15 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शिविर में शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी वितरित किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों की समस्याएं सुनी गई तथा कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जैसे आयोजन गांव स्तर पर लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

स्व सहायता समूहों आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना की

शिविर में महिला स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित रागी का लड्डू, महुआ का अचार, रागी का आटा, मिलेट्स कुकीज, वर्मी कम्पोस्ट खाद एवं अगरबत्ती जैसे स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समूह की महिलाओं से उत्पाद निर्माण की प्रक्रिया, विपणन व्यवस्था तथा होने वाले लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने महिलाओं की आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर तैयार किए जा रहे उत्पाद जिले की पहचान बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाएंगे।

क्लस्टर स्तर पर जैविक खाद के उपयोग को दें बढ़ावा

उन्होंने क्लस्टर स्तर पर जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए तथा कहा कि जिले के प्राकृतिक एवं सामान्य संसाधनों का बेहतर उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री एवं अन्य उत्पाद तैयार किए जाएं। उन्होंने मोहला ब्रांड को आगे बढ़ाने के लिए महिला समूहों को निरंतर प्रशिक्षण, पैकेजिंग और बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मांडवी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पुनाऊ राम फुलकावरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति बाई त्रिपुरे, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंचगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने किए मां दंतेश्वरी के दर्शन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन मंत्री केदार कश्यप ने दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान शक्तिपीठ प्रसिद्ध मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां दंतेश्वरी के चरणों में शीश नवाकर समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की।

वन मंत्री श्री कश्यप की गरिमामयी उपस्थिति के दौरान पूरा मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति और जयकारों के अनूठे माहौल से सराबोर रहा। उन्होंने छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति, जनकल्याण और राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए आदि-शक्ति मां दंतेश्वरी से विशेष आशीर्वाद मांगा। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मां दंतेश्वरी की असीम कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मां का वात्सल्य और आशीर्वाद प्रदेश की जनता पर सदैव बना रहेगा, जिससे हमारा राज्य खुशहाली, समरसता और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करेगा। इस पावन अवसर पर मंदिर में उपस्थित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी मां दंतेश्वरी के जयकारे लगाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सभी नागरिकों ने एक स्वर में प्रदेश में अमन-चौन, विकास और खुशहाली की मंगल कामना की।

संपादकीय

मूल्यांकन पर आंच
प्राथमिकता से प्रणालीगत सुधार करे सीबीएसई

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुखियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं।

कक्षा बारहवीं के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई।

इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। निश्चित रूप से एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली में इतना लचीलापन होना चाहिए कि छात्रों के आक्रोश के सार्वजनिक होने, राजनीतिक टीका-टिप्पणी सामने आने या ऑनलाइन अभियान चलने से पहले समस्या का निराकरण हो जाए। हालिया घटनाक्रम का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि सीबीएसई की लापरवाही का शिकार बने वेदांत को अपनी बात उठाने पर बुरी तरह लांछित किया।

कुछ सोशल मीडिया वीरों ने उसकी मुखरता से आवाज उठाने की कोशिश को देश विरोधी तक ही नहीं कहा, बल्कि कुछ ने तो उसे पाकिस्तानी तक कह दिया। यह तंत्र के बचाव में उतरने की अंधभक्ति ही है कि न्याय के लिये आवाज उठाने के लिये पीड़ित भारतीय नागरिक की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की असफल कोशिश हो। क्या न्याय के लिये आवाज उठाने वाले छात्रों को इसलिए अपमानित व प्रताड़ित होना चाहिए क्योंकि उसकी शिकायत सामने आने के बाद देश के नामचीन संगठनों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है? वास्तव में इन छात्रों के मामले में आई खामियों की व्यापक स्तर पर पड़ताल होनी चाहिए।

यह भी विचार करना चाहिए कि कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना आनन-फानन में डिजिटलीकरण कराने से ही कहीं ऐसी खामियां तो सामने नहीं आ रही हैं? निश्चित रूप से इसका खमियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है और उनका भविष्य दांव पर लग जाता है। यह हकीकत है कि सीबीएसई का भूल सुधार करने का प्रयास कभी व्यवस्थागत सुधार का विकल्प नहीं हो सकता। बोर्ड को तत्काल ओएसएम प्रणाली और स्कैनिंग प्रक्रियाओं का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। परीक्षा बोर्ड और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियां योग्यता और निष्पक्षता की संरक्षक मानी जाती हैं। सवालों से घिरी भारतीय शिक्षा प्रणाली तभी अपनी विश्वसनीयता बचा सकती है, जब वह बुनियादी प्रक्रियात्मक विश्वसनीयता की गारंटी देने का वायदा करे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस (30 मई) की द्विशताब्दी के प्रसंग पर विशेष

है ?

अब यहां से कहां जाएं हम?

प्रो. संजय द्विवेदी

हिंदी पत्रकारिता की द्विशताब्दी (200 वर्ष) पर समारोहों की धूम है। दिल्ली, भोपाल, जयपुर, कोलकाता, रायपुर, कानपुर से लेकर अनेक शहरों और विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभागों पर विमर्श व संवाद के अनेक आयोजन हो रहे हैं। जाहिर है हिंदी का गौरव और आत्मविश्वास दोनों बढ़ा है। उसकी लोकस्वीकृति बढ़ी है। वह भारत में मीडिया, मनोरंजन जगत और वोट मांगने की सबसे बड़ी भाषा है। हिंदी देश के ताकतवर प्रधानमंत्री से लेकर सामान्यजन तक की भाषा बन गयी है। राजनीतिक संचार की सबसे बड़ी भाषा वह पहले से थी किंतु नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह जैसे नेताओं की केंद्रीय उपस्थिति में वह सत्ता की भी भाषा बन गयी है। जाहिर है उसके मीडिया का भी अपना जलवा है। आज वह सत्ताधीशों की प्रिय भाषा है, जनभाषा तो वह पहले से थी।

क्या हमारी भाषा बचेगी?

द्विशताब्दी वर्ष का उत्सव मनाते हुए कई सवाल मथ रहे हैं। हिंदी प्रेमियों के सत्तारूढ़ होने, राजनीतिक परिवतर्नो के कारण हिंदी की ताकत सामने दिख रही है। किंतु हमें उन सवालों पर भी सोचना होगा जिससे हमारी पत्रकारिता और मीडिया को शक्ति मिलती है। पत्रकारिता को शक्ति देने वाली पहली ताकत है ह्यभाषाह्ल। क्या हमारी आनेवाली पीढ़ी हिंदी के साथ सहज है? वह पढ़ना, लिखना, समझना और बोलना हिंदी में कर रही है? उसकी शिक्षा का माध्यम क्या धीरे-धीरे अंग्रेजी नहीं हो गयी है? ऐसे कठिन समय में हिंदी और भारतीय भाषाओं के सामने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती है। हिंदी के पाठक ही न होंगें तो हिंदी के प्रिंट माध्यमों का भविष्य क्या है?

इसी तरह हिंदी सुनी जाने वाली भाषा में बदल रही है। उसके गंभीर अखबारों, पत्र-पत्रिकाओं और अन्य माध्यमों के सामने गहरा संकट है।

अकादमिक विमर्श की भाषा बनने की चुनौती

हिंदी का उपयोग बड़ी मात्रा में मनोरंजन, राजनीतिक संचार या बाजार में ही हो रहा है। गंभीर अकादमिक विमर्श की भाषाबने बिना उसे लंबे समय तक टिकाए रखना कठिन होगा। जनसंचार की वह सबसे लोकप्रिय भाषा हो सकती है, किंतु ज्ञान-विज्ञान के हर अनुशासन की भाषा बने बिना उसे वह महत्व नहीं मिल सकता, जो दुनिया की ताकतवर भाषाओं को मिल रहा है। मीडिया लोकप्रिय को साधता है, सबसे संवाद करता है, मनोरंजन करता है, सूचना देता है। किंतु भाषा के अनेक रूप हैं जिनमें भाषा को साबित करना होता है।

ऐसे में गंभीर प्रकाशनों की हालत अच्छी नहीं है। हिंदी विमर्श की नहीं, प्रचार की भाषा ज्यादा बन गयी है। जिस तरह के गंभीरअखबार और पत्रिकाएं आज भी कम पाठक संख्या के बावजूद अंग्रेजी भाषा के पास हैं, हिंदी के पास नहीं हैं। हिंदी वैचारिक दारिद्रय से जूझ रही भाषा है। जिसके पास गौरवशाली अतीत है, बहुत आत्मविश्वास है। किंतु गहराई कम हो रही है। हम लोकप्रियता को साधने वाली पत्रकारिता तक सीमित हो रहे हैं। जिसमें गंभीर अनुसंधान, माटी की सुगंध कम होती जा रही है।

कृत्रिम बुद्धिमता से जूझती भाषा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में जब भाषाएं तेजी से मशीनीकृत हो रही हैं। हिंदी अपना रुप, रस, गंध और आस्वाद गवां सकती है। तमाम माध्यमों की एआई पर बढ़ती निर्भरता भाषा के साथ खिलवाड़ जैसा ही है। एआई के मशीनी- तकनीकी इस्तेमालों से आगे जब एआई, भाषा की ओर बढ़ रही है तो उसकी सीमाएं बहुत स्पष्ट हैं। भाषा का समाज में फलना-फूलना और विकसित होना बहुत सहज और स्वाभाविक है। किंतु मशीनों द्वारा बन रही भाषा क्या रूप लेगी कहा नहीं जा सकता। सबसे बड़ी चिंता इसलिए भाषा की है क्योंकि भाषा ही नहीं बचेगी तो भाषा पर आधारित विधाएं जिनमें पत्रकारिता भी एक है कैसे बचेगी।

ऐसे कठिन समय में जब मीडिया में मूल्यबोध, भाषा की शुचिता के सवाल बेमानी लगने लगे हों, गंभीरता के साथ इस विधा में काम करनेवालों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। स्कूलों से लेकर पूरे अकादमिक जगत में हिंदी लगभग बहिष्कृत भाषा बन गयी है। आने वाले दिनों में क्या हिंदी सिर्फ बोलने की भाषा रह जाएगी जैसा वो पहले कभी थी। हमारे यशस्वी संपादकों बाबू भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव विष्णु पराड़कर, सखाराम गणेश देउस्कर, माधवराव सप्रे जैसे नायकों की बदौलत आज हम यहां तक पहुंचे हैं। समाज में अलग-अलग तरह से बरती जा रही भाषा ने न सिर्फ अनुशासन और व्याकरण पाया बल्कि वह शानदार गद्य की भाषा बनी। हिंदी पत्रकारिता के संपादकों का यह योगदान हमें पता है कि कैसे उन्होंने एक शानदार भाषा हमें सौंपी। यह ऐसी भाषा बनी जो सिर्फ साहित्य की भाषा नहीं थी, समाज जीवन के विविध अनुशासनों को व्यक्त करने वाली भाषा थी। उसकी ताकत दिखने लगी। पत्रकारिता में छत्तीसगढ़ मित्र, सरस्वती, हंस, प्रभा, कल्पना जैसी पत्रिकाओं ने जो किया उसकी मिसाल खोजने पर नहीं मिलेगी। भाषा का आत्मविश्वास और सामर्थ्य हिंदी पत्रकारिता ने उसे अनुभव करवाया।

संकल्प से मिलेगी सिद्धि

200 साल पूरे करने के बाद अब हमें कुछ संकल्प लेने ही चाहिए। पं. युगलकिशोर शुक्ल ने उदंत मार्त्तण्ड के रुप में जो दीप जलाया, उसे हमें प्रज्ज्वलित रखना है। यह कर्तव्य और उत्तराधिकार दोनों हमें मिला है। हम अपनी भाषा को कैसे बचाएं। कैसे उसे हर अनुशासन की भाषा बनाएं यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। अकादमिक, प्रशासनिक, न्याय व्यवस्था, वित्त और व्यवसाय तक विविध क्षेत्रों में हिंदी का प्रभावी हस्तक्षेप अभी शेष है। हिंदी और भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता इसे मिलकर ही कर सकते हैं। इससे स्वत्व की पहचान होगी और भारतबोध प्रखर होगा। हमें अपने लोगों को न्याय दिलाना है तो यह उनकी अपनी भाषा में ही संभव है।

वैचारिक साम्राज्यवाद के मुक्ति इन्हीं प्रयासों से मिलेगी। यह सिर्फ भाषा प्रेम का सवाल नहीं, भारतप्रेम और सामाजिक न्याय का भी विषय है। अपनी भाषाओं में बोलता, पढ़ता, सुनता, सीखता भारत अभी भी प्रतीक्षित है। मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका है। हमें पता है कि आज के युग में जिस तरह मीडिया का विस्तार हुआ है, भूगोल की सीमाएं डिजिटल मीडिया के नाते टूट गई हैं। उसमें जो श्रेष्ठ होगा वही टिकेगा। अपनी भाषा में हम श्रेष्ठतम सृजन करें।

हिंदी को इतना ताकतवर बनाएं कि दुनिया के ज्ञान क्षेत्र में सक्रिय जन हमारी पत्रकारिता से संदर्भ ग्रहण करें। उधार और जूठन पर आधारित लेखन और पत्रकारिता का कोई मूल्य नहीं है, इसे हम जानते हैं। गंभीर रिपोर्टिंग और गंभीर विश्वेषण आज की जरुरत है। इससे ही हमें मौलिक सृजनकर्ता के रूप में स्वीकार किया जाएगा। भारत का विचार श्रेष्ठता का विचार है, विश्वमंगल का विचार है। हमारी पत्रकारिता अगर इसकी वाहक बन रही है तो यह बात हमारे संकल्पों और दृढ़ करेगी। 200 साल पूरे करने की बधाई देते हुए मीडिया जगत से यह आग्रह भी है कि वे हिंदी पत्रकारिता के ध्वज को गुणवत्ता के आधार पर और ऊंचा ले जाएंगें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

टीआरपी का फेर : पर्यावरण पर गंभीर है प्रिंट मीडिया, टीवी नहीं

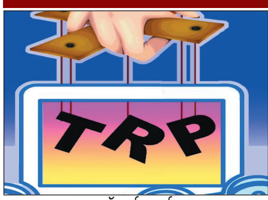

डॉ. अर्चना शर्मा

पर्यावरणीय आंदोलनों से जुड़े घटनाक्रम राष्ट्रीय-क्षेत्रीय समाचार पत्र अधिक संतुलित, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि टीआरपी-आधारित प्रतिस्पर्धा के कारण टीवी समाचार चैनल राजनीतिक बहस, चुनावी बयानबाजी, अपराध व मनोरंजक खबरों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। पिछले कुछ वर्षों में बढ़ते तापमान, वायु प्रदूषण, जल संकट, जंगलों में आग, असमय वर्षा, हिमालयी भू-स्खलन और शहरी पर्यावरणीय अव्यवस्था जैसी समस्याओं ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। साथ ही, जंगल कटान, खनन परियोजनाएं, नदी जोड़ो योजनाएं, आदिवासी विस्थापन और जैव विविधता पर बढ़ते खतरे देशभर में व्यापक जनआंदोलनों का कारण बने हैं।

पर्यावरणीय आंदोलनों की मीडिया कवरेज को लेकर गंभीर प्रश्न उठे हैं। राष्ट्रीय-क्षेत्रीय समाचार पत्र इन मुद्दों को अधिक संतुलित, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि टीआरपी-आधारित प्रतिस्पर्धा के कारण टीवी समाचार चैनल राजनीतिक बहस, चुनावी बयानबाजी, अपराध व मनोरंजनक खबरों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। चूंकि पर्यावरणीय विषय गहन शोध, फील्ड रिपोर्टिंग और दीघर्कालिक विश्लेषण की मांग करते हैं, अतः इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इन्हें अपेक्षित समय-संसाधन नहीं मिले।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से जुड़ी केनझबेतवा रिवर लिंक परियोजना लगभग 44 हजार करोड़ रुपये की एक बड़ी जल संसाधन योजना है। इसका उद्देश्य केन नदी के अतिरिक्त जल को बेतवा बेसिन तक पहुंचाकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन को बढ़ावा देना है। हालांकि, परियोजना को लेकर कई गंभीर चिंताएं भी सामने आई हैं, जिनमें हजारों लोगों का विस्थापन, वन भूमि का जलमग्न होना तथा पन्ना टाइगर रिजर्व की जैव विविधता पर संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। वहीं छतरपुर और पन्ना जिलों में प्रभावित ग्रामीणों और आदिवासी समुदायों ने विरोध के विभिन्न प्रतीकात्मक तरीके अपनाए। प्रदर्शनकारियों ने संदेश देने का प्रयास किया कि विस्थापन उनके सामाजिक और सांस्कृतिक अस्तित्व को समाप्त कर देगा। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों ने इस आंदोलन को मानवीय और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से विस्तारपूर्वक कवर किया। दूसरी ओर, अधिकांश टीवी चैनलों पर यह मुद्दा सीमित समाचार पैकेजों तक सिमटता दिखाई दिया।

इसी प्रकार ओडिशा के रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों में प्रस्तावित वेदांता समूह की बॉक्साइट खनन परियोजना के खिलाफ स्थानीय आदिवासी समुदायों का विरोध मीडिया कवरेज में भिन्नता को दर्शाता है। जहां इस मुद्दे ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, वहीं टीवी चैनलों ने मुख्यतः सिजिमाली पहाड़ियों में सड़क निर्माण के दौरान हुई पुलिसझआदिवासी झड़प को अधिक प्रमुखता दी। इसके विपरीत भूमि अधिकार, जल स्रोतों, वन संरक्षण और विस्थापन जैसे मूलभूत मुद्दे अपेक्षाकृत कम उभरे।

छत्तीसगढ़ का हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन के विरोध में चल रहा विरोध प्रदर्शन भी पर्यावरणीय पत्रकारिता की उपेक्षा का एक बड़ा उदाहरण माना जा सकता है। यह क्षेत्र भारत के सबसे घने जंगलों में से एक है और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। स्थानीय आदिवासी समुदाय लंबे समय से खनन परियोजनाओं के खिलाफ विरोध दर्ज करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हजारों पेड़ों पर खनन परियोजनाओं का प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन इसके बावजूद राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर इस संघर्ष को लगातार कवरेज नहीं मिली।

इसी प्रकार राजस्थान के शाहबाद वन क्षेत्र में पंप्ड स्टोरेज परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई के खिलाफ पर्यावरण कार्यकर्ता लगातार आवाज उठा रहे हैं। अरावली क्षेत्र और वन संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा डिजिटल मीडिया संस्थानों ने इस संघर्ष को जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और आदिवासी अधिकारों के संदर्भ में प्रमुखता से प्रकाशित किया। हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते पर्यावरणीय संकट को लेकर हिमालय है तो हम हैं अभियान के तहत पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एक्टिविस्टों ने भी आवाज उठाई। इस अभियान का उद्देश्य हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को अंधाधुंध निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, जलविद्युत परियोजनाओं और अनियंत्रित पर्यटन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूकता फैलाना है।

बुंदेलखंड क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित जल सहेली अभियान भी पर्यावरणीय जनभागीदारी का उल्लेखनीय उदाहरण है, लेकिन मुख्यधारा टीवी चैनलों पर इसकी उपस्थिति सीमित रही। मीडिया विश्लेषकों मानते हैं कि टीवी चैनलों में टीआरपी-चालित पत्रकारिता के कारण पर्यावरणीय रिपोर्टिंग कमजोर हुई है। पर्यावरणीय मुद्दे प्रायः जटिल, दीघर्कालिक और शोध-आधारित रिपोर्टिंग की मांग करते हैं, जबकि टीवी मीडिया त्वरित दृश्य प्रभाव और राजनीतिक टकराव को प्राथमिकता देता है। इसके कारण पर्यावरणीय सरोकारों व विस्थापन के मुद्दे मीडिया एजेंडा में अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं।

मीडिया अध्ययन के अनुसार यह स्थिति इश्यू हायरार्की और मीडिया प्रायोरिटाइजेशन का उदाहरण है, जहां दीघर्कालिक जनहित के मुद्दों की तुलना में तात्कालिक राजनीतिक सामग्री को अधिक महत्व दिया जाता है। यद्यपि डिजिटल मीडिया और स्वतंत्र पत्रकारिता मंचों ने पर्यावरणीय मुद्दों को नई दृश्यता प्रदान की है। निस्संदेह, देश आज जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब मीडिया की भूमिका केवल सूचना प्रसारित करने तक सीमित नहीं रह सकती।

विश्व को गुटों में बाँटने की नहीं, अपितु वसुधैव कुटुम्बकम् में बाँधने की आवश्यकता

आचार्य डॉ. अजय आर्य

वर्तमान समय में विश्व राजनीति एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ मानवता से अधिक महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा केंद्र में दिखाई दे रही है। दुनिया धीरे धीरे दो बड़े खेमों में बँटती जा रही है। एक ओर अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी राष्ट्र हैं, तो दूसरी ओर रूस और चीन का बढ़ता गठबंधन दिखाई देता है। विशेषज्ञ इसे ह्यदूसरा शीत युद्धह्ल तक कहने लगे हैं। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या विश्व की प्रगति केवल वर्चस्व की लड़ाई से संभव है? क्या मानवता, शांति और जनकल्याण महाशक्तियों की राजनीति से छोटे विषय बन चुके हैं?

आज की वैश्विक स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि यदि अमेरिका किसी राष्ट्र के विरोध में खड़ा होगा तो रूस उसका समर्थन करेगा, और यदि रूस किसी देश के विरोध में होगा तो अमेरिका उसके पक्ष में दिखाई देगा। यह राजनीति सिद्धांतों से अधिक शक्ति संतुलन की राजनीति बन चुकी है। कई बार ऐसा लगता है कि राष्ट्र अपने वास्तविक हितों से अधिक एक दूसरे का विरोध करने में ऊर्जा खर्च कर रहे हैं।

अमेरिका और रूस के बीच विवाद का मूल कारण केवल सीमाएँ या युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक वर्चस्व की लड़ाई है। शीत युद्ध के बाद अमेरिका ने नाटो का विस्तार पूर्वी यूरोप तक किया। रूस इसे अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानता है। रूस नहीं चाहता कि उसकी सीमाओं से लगे देश, विशेषकर यूक्रेन, अमेरिकी सैन्य गठबंधन का हिस्सा बनें। यही कारण है कि यूक्रेन युद्ध केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि वह अमेरिका रूस शक्ति संघर्ष का प्रतीक बन चुका है।

इस संघर्ष के पीछे विचारधाराओं की जंग भी है। अमेरिका लोकतंत्र और पूंजीवादी व्यवस्था का नेतृत्व करने का दावा करता है, जबकि रूस सत्ता केंद्रित व्यवस्था और सामरिक प्रभाव को प्राथमिकता देता है। इसके साथ ही तेल, गैस, हथियारों के बाजार और मध्य पूर्व जैसे क्षेत्रों में प्रभाव बढ़ाने की होड़ ने तनाव को और गहरा किया है। सीरिया से लेकर यूक्रेन तक महाशक्तियाँ अपने अपने प्रभाव वाले गुटों का समर्थन करती रही हैं।

आज यूक्रेन युद्ध ने इस विभाजन को और तीव्र कर दिया है। अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को अरबों डॉलर की आर्थिक और सैन्य सहायता दे रहे हैं, जबकि रूस के साथ चीन, उत्तर कोरिया और अन्य राष्ट्रों का सामरिक सहयोग बढ़ता दिखाई दे रहा है। परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा फिर तेज हो चुकी है और नई सैन्य संधियाँ भी कमजोर पड़ रही हैं। यह स्थिति मानवता के लिए अत्यंत चिंताजनक है।

अमेरिका स्वयं को लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों का सबसे बड़ा समर्थक बताता है, किंतु उसकी नीतियों पर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं। अफगानिस्तान में वर्षों तक सैन्य हस्तक्षेप और फिर अचानक वापसी, ईरान के साथ युद्ध जैसी स्थिति, इजरायल ईरान तनाव में उसका रुख, तथा समय समय पर भारत जैसे मित्र देशों के प्रति बदलती नीतियाँ, इन सबने उसकी वैश्विक छवि को प्रभावित किया है। दुनिया के कई राष्ट्र अब यह मानने लगे हैं कि अमेरिका की विदेश नीति में नैतिकता से अधिक सामरिक हित प्रमुख हैं।

यही कारण है कि उसके अपने सहयोगी देशों में भी मतभेद बढ़ रहे हैं। स्पेन ने अमेरिका ईरान संघर्ष के दौरान अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग अमेरिकी विमानों के लिए करने से इनकार किया। जर्मनी ने मध्य पूर्व नीति की खुलकर आलोचना की, जिसके बाद अमेरिका ने यूरोप से अपने सैनिक हटाने की बात कही। फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम ने युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद पर बल दिया। यूरोपीय देशों का स्पष्ट मत है कि नाटो एक रक्षात्मक संगठन है, न कि अमेरिका द्वारा शुरू किए गए हर युद्ध में शामिल होने का माध्यम।

दूसरी ओर चीन भी आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में तेजी से उभरा है। आज विश्व की तीन सबसे बड़ी शक्तियाँ, अमेरिका, रूस और चीन, विश्व राजनीति को प्रभावित कर रही हैं। किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनकी प्रतिस्पर्धा का सबसे अधिक दुष्प्रभाव विकासशील और गरीब देशों पर पड़ता है। हथियारों पर खरबों डॉलर खर्च किए जा रहे हैं, जबकि दुनिया का बड़ा हिस्सा अभी भी भूख, गरीबी, बेरोजगारी और स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है। भारतीय संस्कृति और दर्शन इस स्थिति को बिल्कुल अलग दृष्टि से देखते हैं। भारत ने सदैव विश्व को परिवार मानने की शिक्षा दी है। हमारे उपनिषदों में कहा गया है

वसुधैव कुटुम्बकम्

अर्थात सम्पूर्ण पृथ्वी एक परिवार है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए भारतीय ऋषियों ने कहा

'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्॥

अर्थात सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, सभी का कल्याण हो और कोई भी दुखी न रहे। यही भारत का मूल दर्शन है। भारत कभी विश्व पर शासन करने की मानसिकता लेकर आगे नहीं बढ़ा, बल्कि उसने सदैव लोकहित और विश्वहित की बात की। चाणक्य नीति में भी स्पष्ट कहा गया है।

'प्रजा सुखे सुखं राज्ञः, प्रजानां च हिते हितम्।

अर्थात शासक का सुख जनता के सुख में निहित है। यदि आज की महाशक्तियाँ इस सिद्धांत को समझ लें, तो विश्व राजनीति का स्वरूप बदल सकता है। भारत की विदेश नीति भी इसी संतुलन और तटस्थता पर आधारित रही है। शीत युद्ध के समय भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व किया था। आज भी रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने किसी एक पक्ष का अंध समर्थन नहीं किया। भारत ने न तो रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का खुलकर समर्थन किया और न ही युद्ध का समर्थन किया। भारत लगातार संवाद, शांति और कूटनीति की वकालत करता रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन दोनों देशों के नेताओं से बातचीत कर युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया। भारत ने यूक्रेन को मानवीय सहायता और दवाइयाँ भेजीं, वहीं अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए रूस से तेल खरीदना भी जारी रखा। यह भारत की व्यावहारिक और संतुलित कूटनीति का उदाहरण है, जहाँ राष्ट्रहित और विश्वहित दोनों का समन्वय दिखाई देता है। मनुस्मृति में कहा गया है कि

'धर्मो रक्षति रक्षितः।'

अर्थात जो धर्म अर्थात न्याय और कर्तव्य की रक्षा करता है, वही अंततः सुरक्षित रहता है। यदि विश्व राजनीति केवल शक्ति और स्वार्थ पर आधारित होगी, तो संघर्ष बढ़ेंगे। किंतु यदि वह न्याय, संतुलन और मानवता पर आधारित होगी, तभी स्थायी शांति संभव होगी।

आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि अमेरिका, रूस और चीन यह साबित करें कि सबसे शक्तिशाली कौन है। वास्तविक प्रश्न यह होना चाहिए कि कौन सा राष्ट्र विश्व के अधिक देशों को गरीबी से बाहर निकाल सकता है, कौन तकनीक और शिक्षा के माध्यम से मानव जीवन को बेहतर बना सकता है, कौन युद्ध की जगह शांति स्थापित कर सकता है। इसी संदर्भ में एक व्यंग्यपूर्ण संवाद आज की विश्व राजनीति पर सटीक बैठता है।

एक पत्रकार ने एक महाशक्ति के नेता से पूछा, आप विश्व में शांति कैसे स्थापित करेंगे? नेता मुस्कुराया और बोला, हम पहले उन देशों को समझाएँगे जो हमारी बात नहीं मानते। पत्रकार ने फिर पूछा, और यदि वे फिर भी न मानें? नेता ने गंभीर होकर कहा, तो फिर हम उन्हें लोकतंत्र का महत्व मिसाइलों से समझाएँगे! पत्रकार ने आश्चर्य से पूछा, क्या युद्ध से भी शांति लाई जा सकती है? नेता बोला, बिल्कुल, क्योंकि जब विरोध करने वाला कोई बचेगा ही नहीं, तो शांति अपने आप हो जाएगी! यह संवाद आज की विश्व राजनीति की सबसे बड़ी विडंबना को उजागर करता है। एक और व्यंग्य देखिए।

संयुक्त राष्ट्र में एक छोटे देश के प्रतिनिधि ने कहा, महाशक्तियाँ हमें शांति का पाठ पढ़ाती हैं, लेकिन हथियार भी वही बेचती हैं। तभी पीछे से आवाज आई, व्यापार और विचारधारा दोनों साथ साथ चलनी चाहिए! पूरा सभागार कुछ क्षणों के लिए शांत हो गया, क्योंकि सत्य अक्सर सबसे अधिक असहज करता है। विश्व को आज भारत के दर्शन से सीखने की आवश्यकता है। भारत का मार्ग न तो आक्रामक वर्चस्व का है और न ही विस्तारवाद का। भारत का मार्ग समन्वय, संतुलन, सह अस्तित्व और विश्वकल्याण का है। यदि महाशक्तियाँ अपनी राजनीति को स्वार्थ से ऊपर उठाकर विश्वहित की दिशा में ले जाएँ, तो आने वाला समय मानव सभ्यता के लिए स्वर्णिम युग बन सकता है।

क्योंकि अंततः युद्ध सीमाएँ जीत सकते हैं, लेकिन मानवता नहीं। वर्चस्व भय पैदा कर सकता है, विश्वास नहीं। और यही कारण है कि दुनिया को गुटबाजी नहीं, बल्कि सर्वे भवन्तु सुखिनः की आवश्यकता है।

(लेखक गैर राजनीतिक, समाजसेवी, लेखक और आर्य समाज के सुप्रसिद्ध विद्वान एवं विचारक हैं।)

हिंदी विरोधी सियासत बेलगाम

विभागीय हिंदी परीक्षा कोई नई योजना नहीं है। इसकी शुरुआत महाराष्ट्र के गठन से पहले हुई थी। 1960 में महाराष्ट्र बनने के बाद भी इसे जारी रखा गया। लेकिन अब आकर इस पर विवाद खड़ा हुआ है। महाराष्ट्र में हिंदी विरोधी सियासत बेलगाम हो गई है। इस महीने से मराठी ना लिख-बोल सकने वाले टैक्सी/ ऑटो ड्राइवरों पर रोक लगाने के बाद अब वहां सरकारी कर्मचारियों के लिए हिंदी की विभागीय परीक्षा को स्थगित करना पड़ा है। इसके पहले त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी पढ़ाने की योजना दफ? कर दी गई थी। सार्वजनिक जगहों पर मराठी ना बोलने वाले लोगों के साथ झड़प और हिंसा की घटनाएं भी हाल में हुई हैं।

राज्य के गजटेड और नॉन-गजटेड कर्मचारियों के लिए हिंदी ज्ञान की विभागीय परीक्षा 28 जून को तय थी। इस तारीख का एलान होते ही महाराष्ट्र नव- निर्माण सेना और कई अन्य मराठी भाषी समूहों ने इसके खिलाफ मुहिम छेड़ दी। कहा कि जब मराठी सरकारी कामकाज की भाषा है, तो कर्मचारियों का हिंदी ज्ञान जांचने की क्या जरूरत है? माहौल को गरमाता देख देवेंद्र फड़णवीस सरकार ने इम्तहान स्थगित करने और इस परीक्षा की जरूरत की समीक्षा करने की घोषणा की। कहा- 'अगर पाया गया कि ऐसे इत्महान की जरूरत नहीं है, तो आगे इसका आयोजन नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि विभागीय हिंदी परीक्षा कोई नई योजना नहीं है।

इसकी शुरुआत महाराष्ट्र के गठन से पहले हुई थी। 1960 में महाराष्ट्र बनने के बाद भी इसे जारी रखा गया। लेकिन अब आकर यह विवाद का मुद्दा बना है। यह राज्य में तेजी से बदले माहौल की मिसाल है। उस राज्य में हिंदी विरोध का ऐसा माहौल बनना हैरतअंगेज है, जहां की मातृभाषा मराठी की लिपि वही देवनागरी है, जिसमें हिंदी लिखी जाती है और जिस राज्य की राजधानी बॉलीवुड का गढ़ है, जहां बनने वाली फिल्मों का हिंदी के प्रसार में संभवतः महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह भी कम अचरज की बात नहीं कि ऐसा उस भाजपा के शासनकाल में हुआ है, जिसकी केंद्र सरकार के हिंदी के प्रति (अति) उत्साह के कारण कुछ राज्यों में भाषाई विवाद खड़े हुए हैं। मगर महाराष्ट्र में भाजपा ने हिंदी विरोधियों के आगे घुटने टेक रखे हैं। तो सवाल उठता है कि क्या हिंदी को लेकर पार्टी की कोई सोच है, या यह उसके लिए महज एक भावनात्मक राजनीतिक मुद्दा है?

विधायक भावना बोहरा ने सेंदुरखार में डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने वनांचल ग्राम सेंदुरखार में 1 करोड़ 57 लाख 15 हजार रुपए की लागत से विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण एवं नया तालाब निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। यह विकास कार्य पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण व वनांचल क्षेत्र के विकास को नई गति देगा।

भावना बोहरा ने मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण अंतर्गत ग्राम अंजवाईनबाह, मराडबरा, बोहिल, सारपानी, धुरसी, पुटपुटा,बिरैनबाह, बिरहुलडीह, रोखनी में सीसी रोड एवं ग्राम नेऊर में सीसी रोड निर्माण एवं सांस्कृतिक मंच तथा ग्राम कुशियारी और सेंदुरखार में सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही मनरेगा अंतर्गत ग्राम पिपरहा, छिंदीडीह, कड़मा, भेलकी एवं नेउर में नया तालाब निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि, हमारा संकल्प

वनांचल क्षेत्र के समग्र विकास का है। वनांचल क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होने से ग्रामीण जीवन सुगम बन रहा है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिल रही है। सड़क निर्माण से आवागमन बेहतर होगा, सामुदायिक भवन एवं सांस्कृतिक मंच सामाजिक गतिविधियों को मजबूत करेंगे, वहीं तालाब निर्माण से जल संरक्षण और कृषि को लाभ मिलेगा। भाजपा सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत 171 किलोमीटर से अधिक के पक्के सड़क व 4 उच्चस्तरीय एवं 10 पुलिया निर्माण की स्वीकृति, 3500 नए पीएम आवास, जल संसाधन विभाग अंतर्गत महीडबरा जलाशय योजना, पुटपुटा व्यपवर्तन योजना, कौआनार व्यपवर्तन योजना, एनिकट कम काजवे तथा नल जल प्रदाय हेतु ग्राम मुनमुना में सिंगल विलेज नल जल प्रदाय योजना की सौगात मिली है। 27 आंगनबाड़ी भवन निर्माण, कुई-कुकदुर में शासकीय महाविद्यालय हेतु भवन निर्माण, विद्युत्विहीन गाँव तक बिजली आपूर्ति जैसे कई विकास कार्यों की सौगात और बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई हैं जो सीधे तौर पर वनांचल क्षेत्रों के विकास को एक नई दिशा दी है और यहाँ निवासरत आदिवासी परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दे रही है।

भावना बोहरा ने कहा कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से आज वनांचल व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में पक्के आवास और सड़क, पेयजल हेतु नल जल, विद्युत विहीन ग्रामों तक बिजली की पहुँच और सिंचाई व पेयजल हेतु पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होने से वहां निवासरत परिवार आज विकास की मुख्य धारा से जुड़कर विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने में सहभागी बन रहे हैं। इसके साथ ही वहां के परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य सुविधा प्रदान करने के लिए हमने भी प्रयास करते हुए निःशुल्क एम्बुलेंस व स्वास्थ्य जाँच हेतु निःशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब का संचालन कर रहें हैं। कुई-कुकदुर महाविद्यालय में पढ़ने वाली वनांचल क्षेत्र की बेटियों की शिक्षा,सुरक्षा और सुविधा के लिए आगामी सत्र से हम निःशुल्क बस सेवा का संचालन भी शुरू करने जा रहे हैं जिससे बेटियों को घर से महाविद्यालय व महाविद्यालय से घर आने-जाने की सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी और वे अपनी उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

मनरेगा से रोजगार और जल संरक्षण का लक्ष्य एक साथ हो रहा पूरा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्रामीणों को बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर मिल रहा है। वर्तमान में 68970 से अधिक पंजीकृत ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतो में 2588 निर्माण कार्य प्रगति पर है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत बोड़ला, कवर्धा, पंडरिया एवं स. लोहारा क्षेत्र के ग्रामीणों को अभी तक 9 लाख 36 हजार मानव दिवस का रोजगार प्राप्त हो चुका है तथा रोजगार देने का या सिलसिला निरंतर जारी है।

इन कार्यों के लिए ग्रामीणों को प्रतिदिन 261 रुपए के दर से मजदूरी का भुगतान प्राप्त हो रहा है जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बना रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में पर्याप्त मात्रा में निर्माण कार्य मनरेगा योजना के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं तथा ग्रामीणों की मांग पर कार्य प्रारंभ कर रोजगार दिया जा रहा है। नवा तरिया आय के जरिया, आजीविका डबरी, सामुदायिक डबरी, नए तालाबों का निर्माण, अमृत सरोव,सोकपिट निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण सहित अनेक जल संवर्धन के कार्यों के साथ स्थाई परिसंपत्तियों का निर्माण हो रहा है। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जहां इन कार्यों से एक और ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है तो वहीं दूसरी ओर स्थाई परीसंपत्ति के निर्माण से आजीविका के नए स्रोत खुले रहे हैं।

ग्रामीणों को रोजगार के लिए है गांव में है पर्याप्त अवसर : कलेक्टर गोपाल वर्मा

इस संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में पर्याप्त कार्य स्वीकृत है। ग्रामीणों की मांग पर तत्काल नए कार्य खोले जा रहे हैं। सभी सीईओ जनपद पंचायत को निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराये। हमारी प्राथमिकता है कि वर्षा ऋतु के पूर्व जल संग्रहण के सभी कार्यो को पूर्ण कर लिया जाए जिससे कि वर्षा जल संग्रहित होकर भू-जल स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिल सके। निर्माण कार्यो की नियमित समीक्षा हो रही है और कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

जल संरक्षण के कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार के मिल रहे अवसर : सीईओ अभिषेक अग्रवाल

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत चल रहे कार्यो पर जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि वतर्मान में 2580 से अधिक निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगतिरत है। इनमें 68970 से अधिक ग्रामीणों को प्रतिदिन रोजगार मिल रहा है। रोजगार देने के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 4742 हितग्राहियों को अपना स्वयं का आवास बनाने में रोजगार मिल रहा है।चालू वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल से अभी तक 21.00 करोड रुपए का मजदूरी भुगतान जिले के ग्रामीणों को प्राप्त हो चुका है जो उनके लिए आर्थिक संबल जैसा है। कार्य के हिसाब से मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया सतत चल रही है और ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। जिले में जल संरक्षण के लिए सोखता गड्ढा बनाए जाने का भी अभियान तीव्र गति से चल रहा है। मैदानी एवं वनांचल क्षेत्र सहित सभी स्थानों पर ग्रामीणों को रोजगार के साथ जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। और ग्रामीण स्वयं आगे आकर इस कार्य में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

राजनांदगांव के वर्धमान नगर में आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों से हंगामा

कचरा जलाने पर उठे काले धुएं से रहवासी परेशान, निगम आयुक्त ने किया दौरा

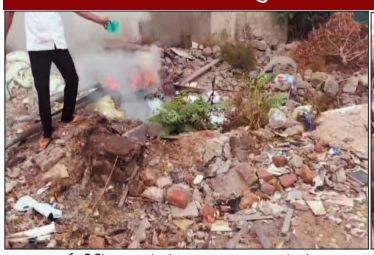

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के रहियाशी इलाके वधर्मान नगर में नियमों को ताक पर रखकर चल रहे एक संस्थान के खिलाफ स्थानीय रहवासियों का गुस्सा फूट पड़ा है। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि आवासीय क्षेत्र के बीच स्थित यह संस्थान व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है और यहां से निकलने वाला प्रदूषण निवासियों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

कचरा जलाने से फैली जहरीली बदबू

हाल ही में संस्थान द्वारा भारी मात्रा में कचरा जलाया गया, जिससे उठे काले घने धुएं और दुर्गंध से पूरी कॉलोनी भर गई। आपत्ति जताने पर संस्थान के प्रतिनिधि ने सर्टिफिकेट होने का दावा किया। रहवासियों ने सवाल उठाया कि क्या सर्टिफिकेट का मतलब आवासीय क्षेत्र में प्रदूषण फैलाना है? संस्थान के पीछे रहने वाले चौरड़िया परिवार ने बताया कि रोज फैलने वाली बदबू से जीना मुहाल हो गया है। भगवान महावीर के बचपन के नाम पर बसी इस कॉलोनी में मर्यादा के विपरीत आपत्तिजनक पदार्थों के उपयोग वाली पार्टियों पर भी रहवासियों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

कॉलोनी समिति ने नहीं दी सहमति

वर्धमान नगर कॉलोनी समिति के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संस्थान ने आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कॉलोनी वासियों से कोई सहमति नहीं ली है।

निगम आयुक्त ने किया दौरा

मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार सुबह 7 बजे निगम आयुक्त ने कॉलोनी का दौरा किया। उनके साथ सफाई अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय पार्षद श्रीमती रेखा पारख और अभय जैन भी मौजूद थे। निगम आयुक्त ने संस्थान के पास पार्षदों के साथ चर्चा कर स्थिति का जायजा लिया।

कार्रवाई की मांग

वार्ड वासियों ने निगम आयुक्त से मांग की है कि आवासीय कॉलोनी की शांति और स्वच्छता को देखते हुए संस्थान पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। रहवासियों का कहना है कि आवासीय नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर नकेल कसना जरूरी है, ताकि कॉलोनी का वातावरण सुरक्षित बना रहे।

ई-ऑफिस प्रणाली से ही होंगे सभी विभागीय पत्राचार : कलेक्टर ममगाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति एवं सुगमता लाने के उद्देश्य से जिले के सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब से सभी विभागीय पत्राचार एवं फाइलों का संचालन ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही किया जाएगा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशानुसार डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देना आवश्यक है। कागजी फाइलों के स्थान पर डिजिटल प्रणाली अपनाने से कार्यों के निष्पादन में तेजी आएगी, फाइलों के रख-रखाव में सुविधा होगी तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली से विभागों के बीच समन्वय बेहतर होगा और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

बैठक में कलेक्टर ने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों के निराकरण में केवल औपचारिकता पूरी न की जाए, बल्कि प्रत्येक प्रकरण का वास्तविक एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा आम जनता की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी एवं संवेदनशील निराकरण करना है। इसलिए आवेदनों को केवल नस्तीबद्ध करने के बजाय आवेदक की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर जांच करें और नियमानुसार त्वरित राहत उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि सुशासन की पहली शर्त समयबद्धता है। सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि उन्हें प्राप्त आवेदनों एवं लंबित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी विभाग द्वारा लापरवाही बरती जाती है अथवा बिना ठोस कारण के प्रकरण लंबित रखे जाते हैं, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

कलेक्टर ने समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि जनता से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकरण का निराकरण केवल फाइल बंद करने तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसा समाधान हो जिससे आवेदक संतुष्ट हो सके। उन्होंने विभिन्न विभागों के लंबित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कार्यों में किसी भी प्रकार की लेटलतीफी एवं उदासीनता पर नाराजगी व्यक्त की।

दिव्यांगजन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए सुनहरा अवसर, 31 मई तक कर सकते हैं पद्म पुरस्कार के लिए आवेदन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन छग के निर्देशानुसार भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, नई दिल्ली द्वारा गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार हेतु नामांकन एवं अनुशंसा आमंत्रित किए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार जिले से दिव्यांगजन सशक्तिकरण, पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक समावेशन एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायी कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं के नाम प्रस्तावित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने सामाजिक संगठनों, स्वैच्छिक संस्थाओं एवं पात्र व्यक्तियों से निर्धारित मापदंडों के अनुरूप अधिक से अधिक नामांकन भेजने की अपील की है। इस पुरस्कार का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए कार्य करने वाले संगठनों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करना, उनकी पहचान स्थापित करना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना है। इससे समाज में सकारात्मक एवं प्रेरणादायी कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण स्क्रीनिंग समितियों द्वारा किया जाएगा तथा उनकी अनुशंसा के आधार पर राष्ट्रीय चयन समिति पुरस्कार विजेताओं का चयन करेगी। चयनित व्यक्तियों एवं संस्थाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

छुरिया ब्लॉक: 80 बच्चों का भविष्य एक शिक्षक के भरोसे आमगांव कु प्राथमिक शाला में पालकों में छाया आक्रोश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विकासखंड छुइखदान के शासकीय प्राथमिक शाला आमगांव कु में शिक्षक संकट गहरा गया है। कभी 25-30 गांवों के बच्चों का शिक्षा केंद्र रहा यह विद्यालय अब सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहा है।80 विद्यार्थियों की जिम्मेदारी एक ही शिक्षक पर होने से पालकों में गहरा आक्रोश है।

पहले तीन शिक्षक, अब सिर्फ एक

विद्यालय में पहले तीन शिक्षक कार्यरत थे। दो शिक्षकों के प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नत होने के बाद उनके रिक्त पदों पर अब तक नई नियुक्ति नहीं हुई। नतीजा, एक शिक्षक को ही सभी कक्षाओं के 80 बच्चों को पढ़ाना पड़ रहा है।

पालकों ने जताई चिंता

अभिभावकों का कहना है कि शिक्षकों की कमी से बच्चों को बुनियादी शिक्षा के लिए पर्याप्त समय और मार्गदर्शन नहीं मिल रहा। इससे बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। पालकों ने याद दिलाया कि जब विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक थे, तब शिक्षा व्यवस्था सुचारू थी और दूर-दराज के बच्चे भी यहां पढ़ने आते थे।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

पालकों ने छत्तीसगढ़ शासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि विद्यालय में अविलंब अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की जाए। हर कक्षा के लिए अलग शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित हो और शिक्षा की गुणवत्ता की निगरानी के ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि ग्रामीण बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

सुशासन तिहार : शिविर बना जनसुनवाई का सशक्त मंच, 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने उठाया लाभ

1109 आवेदन प्राप्त, विभिन्न योजनाओं के तहत 48 हितग्राही लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत खैरागढ़ के जालबांधा में आयोजित जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर जनभागीदारी और प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया। शिविर में जालबांधा क्लस्टर की 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे और अपनी मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ हेतु आवेदन दिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर

हितग्राहियों को प्रदान किए जा रहे लाभों एवं सेवाओं की जानकारी ली। शिविर में कुल 1109 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1103 मांग एवं 07 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा 48 हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण गांव स्तर पर ही हो तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सरलता एवं पारदर्शिता के साथ मिले। अन्य जनप्रतिनिधियों ने समाधान शिविर को ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम बताते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन में सुशासन तिहार को आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बताते हुए शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने की बात कही।

सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित मांग एवं शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास की मांग से जुड़े सर्वाधिक 744 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु 289 आवेदन प्राप्त किए गए। इसके अतिरिक्त राजस्व विभाग से संबंधित 82 आवेदन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण खैरागढ़) अंतर्गत 84 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में प्राप्त मांग एवं शिकायतों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही की गई।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को सामग्री एवं लाभ वितरित किए गए। राजस्व विभाग द्वारा 12 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख पट्टा प्रदान किया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को सब्जी मिनी किट, कृषि विभाग द्वारा 04 किसानों को मूंग बीज वितरित किया गया। मत्स्य विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को आइस बॉक्स एवं 02 हितग्राहियों को जाल प्रदान किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र तथा 03 हितग्राहियों को छड़ी वितरित की गई। शिक्षा विभाग द्वारा 05 विद्यार्थियों को पेन, डायरी एवं मेमोटो प्रदान किए गए। पंचायत विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को सुपोषण किट एवं 07 किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता किट वितरित की गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर में 126 लोगों की ओपीडी जांच, 78 लोगों की सिकलिन जांच, 115 लोगों की बीपी एवं शुगर जांच तथा 35 लोगों की आंखों की जांच की गई। इसके साथ ही 57 लोगों का आभा आईडी पंजीयन एवं 23 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन, खाद्य, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं श्रम विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे।

कार्यक्रम में दिनेश वर्मा (सभापति जिला पंचायत), पूर्व जिला पंचायत सभापति घम्मन साहू, डॉ. चंदू वर्मा (जनपद सभापति), शैलेन्द्र मिश्रा (जनपद सभापति), गोरेलाल वर्मा वरिष्ठ नागरिक, जयप्रकाश साहू, श्रीमती संतोषी वर्मा (सरपंच जालबांधा) सहित 18 ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, एसडीम खैरागढ़ टंकेश्वर प्रसाद साहू, सीईओ हिमांशु गुप्ता सहित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

झीरम घाटी के शहीदों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, सतनाम भवन में हुई संगोष्ठी

विद्याचरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा समेत शहीद नेताओं को किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने रविवार को झीरम घाटी में शहादत देने वाले नेताओं और जवानों की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सतनाम भवन में आयोजित कार्यक्रम में विद्याचरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार, दिनेश पटेल, योगेंद्र शर्मा, अलानूर भिंडसरा समेत शहीद नेताओं और जवानों के बलिदान को नमन किया गया। सतनाम भवन में आयोजित संगोष्ठी सभा में कांग्रेस नेताओं ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनकी स्मृतियां साझा कीं। वक्ताओं ने कहा कि झीरम घाटी के शहीदों का त्याग देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रेरणा है।

कार्यक्रम के बाद गायत्री मंदिर चौक स्थित शहीद उदय मुदलियार और शहीद अलानूर भिंडसरा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र उदय मुदलियार ने कहा कि झीरम के शहीदों ने लोकतंत्र और जनता की सेवा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनका बलिदान हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने की शक्ति देता है।

क्या 'हेरा फेरी 3' से फिर पीछे हटे परेश रावल?

निर्देशक प्रियदर्शन ने दिया रिएक्शन

'हेरा फेरी 3' को लेकर चल रहा विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। फिल्म के राइट्स की चल रही लड़ाई के बीच, खबर आई कि लीड स्टार्स में से एक, परेश रावल ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया है। खबर यह भी थी कि उन्होंने अपना साइनिंग अमाउंट 11 लाख रुपये 15 परसेंट ब्याज के साथ वापस भी कर दिया है। हालांकि परेश ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने हाल ही में इस मामले पर खुलकर बात की है।

प्रियदर्शन ने दिया रिएक्शन

जब उन्होंने फिल्म में परेश रावल के भविष्य के बारे में साफ करने के लिए प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो फिल्ममेकर, जो इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त डायरेक्ट करने वाले हैं, ने कहा, 'मुझे इसकी जानकारी नहीं है।'

अक्षय ने परेश पर किया केस

यह पहली बार नहीं है जब परेश के फिल्म छोड़ने की खबर सामने आई है। 2025 में, अक्षय कुमार ने कथित तौर पर फिल्म से परेश रावल के अचानक जाने के बाद उनके खिलाफ 25 करोड़ रुपये का केस किया था। हालांकि, बाद में परेश रावल के प्रोजेक्ट में वापस आने से मामला सुलझ गया था।

अक्षय कुमार का रिएक्शन

इससे पहले बातचीत में अक्षय कुमार ने बताया था कि यह फिल्म अभी नहीं बन रही है। उन्होंने कहा, 'हेरा फेरी 3 अभी फिलहाल तो नहीं बन रही है। मुझे खुद झटका लगा था। कोई बात नहीं, 'वेलकम' बना ली। थोड़ा कुछ मंत्र पढ़ना पड़ेगा कि सब ठीक हो जाए। अभी एक साल तो नहीं हैं। उसके बहुत सारे इश्यू हैं, ऐसा नहीं है कि हम तीनों (एक्टर्स) साथ नहीं हैं।'

मुश्किल में 'हेरा फेरी 3'

आपको बता दें कि फिल्म 'हेरा फेरी 3' शुरू से ही लीगल मुश्किल में फंसी हुई है। प्रोडक्शन हाउस सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल ने फिल्म के मेकर्स के खिलाफ केस किया, जिसमें दावा किया गया कि साजिद नाडियाडवाला के पास सिर्फ एक फिल्म के रीमेक के राइट्स थे। हालांकि निर्माताओं ने इसका सीक्वल बनाया। पहली फिल्म 'हेरा फेरी' फिल्म, जो 2000 में रिलीज हुई थी, इस पर सेवन आर्ट्स ने आरोप लगाया कि नाडियाडवाला ने 2006 में सीक्वल फिर हेरा फेरी बनाकर और फिर फिल्म के अधिकार अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस के समझौते का उल्लंघन किया।

फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद न रखें, रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। रिपोर्ट में पुष्टि हुई थी कि ट्विशा की मौत फांसी लगाने से हुई, यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए। शादी प्यार और सम्मान के लिए कीजिए।' रिद्धि ने शादी में किसे दूसरे के दखल को लेकर भी कुछ काफी कुछ लिखा। वह पोस्ट में लिखती हैं, 'अपनी शादीशुदा जिंदगी में हर समय माता-पिता या दूसरों को शामिल मत कीजिए। अगर हर फैसले में दूसरों की जरूरत पड़े, तो वह रिश्ता दो लोगों का नहीं, भीड़ का बन जाता है।'

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। यह कभी मत भूलिए कि हम शिव और शक्ति की धरती से आते हैं। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

रिद्धि का करियर फ्रंट

रिद्धि डोगरा ने टीवी से अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आईं। शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' और वेब सीरीज 'असुर' में उन्होंने अहम किरदार निभाए। आगे भी वह कुछ फिल्में कर रही हैं।

अक्षय की साइंस थ्रिलर फिल्म का नाम आया सामने

दिखेगी एलियन की दुनिया

अक्षय कुमार पहली बार किसी एलियन ड्रामा फिल्म का हिस्सा बनने वाले हैं। उनकी इस फिल्म का नाम 'सामुक' बताया जा रहा है। एक हॉलीवुड दिग्गज भी इस फिल्म से जुड़े हैं, वह अक्षय कुमार की फिल्म में एक अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हॉलीवुड लेवल की होगी अक्षय कुमार की फिल्म एचटी सिटी की खबर के मुताबिक इस प्रोजेक्ट का नाम 'सामुक' है। फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं। अक्षय कुमार, विपुल अमृतलाल शाह और आशिम शाह इसके प्रोड्यूस हैं। इस फिल्म में दर्शकों एलियन की डरावनी दुनिया देखने को मिलेगी। 'सामुक' से हॉलीवुड स्टंट कोऑर्डिनेटर ल्यूक टम्बर भी जुड़ चुके हैं, उन्होंने 'मिशन-इंपॉसिबल', 'वेनम' और 'प्रिडेटर' जैसी एलियन फिल्मों के लिए काम किया है।

अक्षय कुमार के फिल्म प्रोजेक्ट से जुड़ने के बारे में बात करते हुए ल्यूक टम्बर ने कहा, 'यह प्रोजेक्ट फिल्ममेकिंग और असली एक्शन सिनेमा का एक रोमांचक मेल होगा। मुझे इस सोच को हकीकत बनाने का हिस्सा बनने पर गर्व है। हमारा लक्ष्य एक ऐसी फिल्म बनाना है जो दमदार कहानी के साथ-साथ बेहतरीन लाइव एक्शन सीन्स को भी पेश करे और जो दर्शकों के दिलों को छू जाए।'

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

अक्षय कुमार के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले दिनों उनकी एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। जल्द ही वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में भी नजर आएंगे।

अपकमिंग फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगी सपना पब्बी

अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं, वहीं सपना पब्बी उनके अपोजिट नजर आएंगी। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

सपना पब्बी एक ब्रिटिश अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो भारतीय टीवी, फिल्मों और वेब सीरीज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर लॉन्च के बाद फिर से चर्चा में हैं। 5 जून को रिलीज होने जा रही 'बंदर' एक साइकोलॉजिकल ड्रामा और मिस्ट्री फिल्म है, जो आम कमर्शियल फिल्मों से काफी अलग नजर आ रही है। ट्रेलर में बॉबी देओल एक बिल्कुल नए और गंभीर अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वह ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर कई युवतियों के साथ यौन शोषण और हमला करने के आरोप लगे हैं। ट्रेलर आगे बढ़ने के साथ कहानी में सपना पब्बी का किरदार बेहद अहम हो जाता है। पहले वह बॉबी देओल के करीब नजर आती हैं, लेकिन बाद में उनके खिलाफ खड़ी दिखाई देती हैं। इसी टिवस्ट ने फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

सपना पब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2013 में टीवी शो 24 से की थी, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया था। इसके बाद वह 'खामोशियां', अरदास करण, 'मर गए ओए लोको' और 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा सपना पब्बी का नाम कुछ साल पहले सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़ी जांच के दौरान भी चर्चा में आया था। उन्होंने सुशांत के साथ 'ड्राइव' फिल्म में काम किया था। बाद में ड्रग्स जांच से जुड़े कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उनका नाम सामने आया।

उस समय रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जांच एजेंसियों के सामने पेश होने से पहले सपना पब्बी लंदन चली गई थीं। हालांकि अभिनेत्री ने इन खबरों को गलत बताया था। उन्होंने साफ कहा था कि वह सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए लंदन गई थीं।

पापा को लगता था पढ़ाई में खराब लोग ही एक्टर बनते हैं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है।

फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

खुद की पब्लिसिटी, पैप कल्चर आदि को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है-विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने भिलाई नगर निगम ने की कार्रवाई

आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान भेजा गया, यातायात बाधा व नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा विशेष अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, यातायात बाधा एवं नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आवारा मवेशियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार रोका छेका विभाग की टीम प्रतिदिन शहर के प्रमुख मार्गो, चौक-चौराहों एवं व्यस्त बाजार क्षेत्रों में अभियान चलाकर सड़कों पर बैठे एवं घूम रहे मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है।

नगर निगम की टीम द्वारा ऐसे मवेशियों को पकड़कर कोसानाला गौठान भेजा जा रहा है, जहां उनके रहने, खाने-पीने एवं उपचार की समुचित व्यवस्था की गई है। गौठान में मवेशियों के लिए चारा, पानी एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण मिल सके। निगम प्रशासन का कहना है कि शहर में लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे थे, जहां सड़कों पर बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। विशेषकर रात्रि के समय एवं व्यस्त मार्गो पर यह स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है।

रोका.छेका विभाग की टीम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गो, पावर हाउस क्षेत्रए सुपेला, वैशाली नगर, खुर्सीपार, नेहरू नगर सहित अन्य भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभियान के दौरान सड़कों पर बैठे मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आम नागरिकों को राहत मिल सके।

निगम प्रशासन ने बताया कि आवारा मवेशियों के कारण कई बार जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। दोपहिया वाहन चालक एवं राहगीर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। बरसात के मौसम में सड़कों पर फिसलन बढ़ने के कारण यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए निगम द्वारा यह विशेष अभियान गंभीरता से चलाया जा रहा है।

नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के खटाल संचालकों एवं मवेशी मालिकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को घरों एवं खटालों में बांधकर रखें तथा उन्हें सड़कों पर खुला न छोड़ें। निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि मवेशी सड़कों पर पाए जाते हैं तो उन्हें पकड़कर गौठान भेजने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि शहर को सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

अवैध रूप से निर्मित दुकान को निगम ने किया बेदखल

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नंदनी रोड ओवर ब्रिज के बगल में अवैध रूप से निर्मित दुकान पर निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। निगम को प्राप्त शिकायत एवं स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अल्ताफ द्वारा बिना अनुमति नया दुकान निर्माण किया गया था, जिससे मार्ग व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार तोड़फोड़ दस्ता एवं संबंधित जोन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बनाए गए दुकान को निगम अमले की सहायता से हटाया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैधानिक अनुमति के किए गए किसी भी प्रकार के निर्माण एवं अतिक्रमण पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि अवैध रूप से दुकान को स्थापित करने से पूर्व निगम से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान निगम के अधिकारी, तोड़फोड़ दस्ता, राजस्व विभाग उपस्थित रहे।

खास खबर

महामहिम राज्यपाल रामेन डेका ने किया सेवा सरिता दस्तावेज का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के सचिव एवं जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर के 30 वर्षों के सेवा, सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यो का लेखा-जोखा समाहित दस्तावेज सेवा सरिताह्न का विमोचन राजभवन में महामहिम राज्यपाल रामेन डेका द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने दस्तावेज का अवलोकन करते हुए इसमें संकलित सामाजिक कार्यों एवं सेवा गतिविधियों की सराहना की। साथ ही दिलीप ठाकुर के साथ विभिन्न सामाजिक विषयों पर सार्थक चर्चा भी की। राज्यपाल ने सेवा सरिता संग्रह को राजभवन की लाइब्रेरी में रखने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर भी उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर श्री सत्य साई सेवा समिति, राजपूत क्षत्रिय महासभा 1282, जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं कार्मिकों सहित सत्यम शिवम सुन्दरम समिति के सदस्यों ने दिलीप ठाकुर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कांग्रेस का नया एजेंडा : सनातन और संत समाज का अपमान- वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कन्हैया सोनी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर दिए बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज हिंदुत्व, सनातन और संत समाज के अपमान की राजनीति कर रही है और यही उसका नया राजनीतिक एजेंडा बन चुका है। श्री सोनी ने कहा कि विवाद की शुरुआत नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के उस बयान से हुई जिसमें उन्होंने कहा था, मैं रामभद्राचार्य को जगद्गुरु नहीं मानता। साथ ही महंत ने आरोप लगाया कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य भाजपा के प्रचारक की तरह काम कर रहे हैं और संतों को राजनीति से दूर रहना चाहिए।

इस पर पलटवार करते हुए कन्हैया सोनी ने चरणदास महंत को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा, चरणदास महंत एक लाइन बताकर दिखा दें, जहां जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भारतीय जनता पार्टी को वोट देने या समर्थन करने की अपील की हो। आज तक ऐसा कोई बयान सामने नहीं आया। यह सब कांग्रेस नेताओं के दिमाग की उपज है। श्री सोनी ने कांग्रेस पर बड़ा वैचारिक हमला बोलते हुए कहा, आज पूरे देश में कांग्रेस पार्टी केवल एक लाइन पर राजनीति कर रही है — सनातन और हिंदुत्व का अपमान। चाहे छत्तीसगढ़ हो या देश का कोई और राज्य, कांग्रेस के नेता लगातार संतों और हिंदू धार्मिक प्रतीकों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति अब तुष्टिकरण और वैचारिक विरोध तक सीमित होकर रह गई है। छत्तीसगढ़ की जनता सनातन संस्कृति और संत समाज का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा, अवैध गिट्टी परिवहन करते तीन हाइवा वाहन जब्त

रायपुर। बलरामपुर जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में खनिज अधिकारी के नेतृत्व में खनिज अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गिट्टी परिवहन कर रहे तीन हाइवा वाहनों को जब्त किया। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर, बरियों एवं पस्ता क्षेत्र में जांच के दौरान अवैध परिवहन करते पाए गए वाहनों को तत्काल जब्त कर बरियों एवं पस्ता थाना की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

संस्कार से सफलता की ओर बढ़ रहीं जैन समाज की बालिकाएं

संस्कार शिविर में साइबर सुरक्षा, आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्री महाकोशल जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ एवं श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जैन संस्कार शिविर 2026 में जैन समाज की बालिकाओं को धार्मिक संस्कारों के साथ आधुनिक जीवन की जरूरी जानकारियां दी जा रही हैं। 21 से 28 मई तक चले इस शिविर में रोज दोपहर 2 से 3 बजे तक विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा, आत्मरक्षा, व्यक्तित्व विकास और स्वास्थ्य जागरूकता पर मार्गदर्शन दिया।

साइबर अपराध से बचाव के गुर सिखाए

दुर्ग पुलिस की साइबर सुरक्षा टीम के सदस्य संकेत मिश्रा ने बालिकाओं को डिजिटल जागरूकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने मजबूत पासवर्ड रखने, ओटीपी-पिन किसी से साझा न करने, अंजान लिंक-मैसेज से बचने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी सीमित रखने की सलाह दी। शेयर ट्रेडिंग व क्रिप्टो के झूठे प्रलोभनों से सतर्क रहने और ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करने की जानकारी भी दी।

विशेषज्ञों ने दिए विविध विषयों पर व्याख्यान

शिविर में 21 मई को सीए संतोष जैन ने 'My Goal My Role', 22 मई को संजय सिंघी ने महावीर वाणी, 23 मई को सीए सिद्धि जैन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 24 मई को दिलीप चोपड़ा ने Empowerment for Powerful Life, 25 मई को यूट्यूबर कृतिका यादव ने शेयर मार्केट व स्मार्ट अर्निंग, 26 मई को डॉ. स्नेहा जैन ने कैंसर से बचाव, 27 मई को अरिहंत सिंघी ने आयकर और 28 मई को दुर्ग-भिलाई महिला सुरक्षा टीम ने महिला सुरक्षा पर सत्र लिए।

डीएसपी ने साझा किए अनुभव

दुर्ग पुलिस की डीएसपी श्रीमती भारती मरकाम ने बालिकाओं से संवाद कर पुलिस सेवा के अनुभव साझा किए और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। पुलिस सुरक्षा टीम से नीता राजपूत और नवीन राजपूत भी मौजूद रहे।

शिविर संयोजक सीए मितेश छाजेड़ तथा संचालक मनोज गोलछा एवं पारस गोलछा ने बताया कि शिविर का उद्देश्य बालिकाओं में संस्कार, आत्मविश्वास, आध्यात्मिक जागरूकता, नेतृत्व क्षमता और आधुनिक ज्ञान का विकास करना है। कार्यक्रम का संचालन सुमित खटोर एवं मनीष दुग्गड़ ने किया। इस दौरान मिनेश जैन, नवीन संचेती, महेंद्र चोपड़ा, आवेश दुग्गड़ व टीकम चोरड़िया सहित समाजजन उपस्थित रहे।

पहाड़ी गांवों में टूटी माहवारी पर चुप्पी, आओ सहेली चुप्पी तोड़े अभियान से जागी उम्मीद

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर बुकमरका समेत चार गांवों में 120 किशोरियों को मिले रीयूजेबल पैड

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर मानपुर विकासखंड के पहाड़ी गांवों में माहवारी को लेकर बरसों पुरानी चुप्पी टूटी। जन कल्याण सामाजिक संस्थान एवं प्रोजेक्ट बाला के संयुक्त तत्वावधान में आओ सहेली चुप्पी तोड़े अभियान के तहत ग्राम बुकमरका, कामखेड़ा, कोराचा और चावरगांव में जागरूकता, संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पहली बार एक मंच पर महिला-पुरुष-किशोरियां

पहाड़ी क्षेत्र में बसे बुकमरका में पहली बार महिला, पुरुष और किशोरी बालिकाओं ने एक साथ माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया। कार्यक्रम में पहली बार पीरियड्स से गुजर रही किशोरियों का सम्मान भी किया गया, जिसने ग्रामीण समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

10-12 किमी दूर जाना पड़ता था पैड लेने

ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों ने बताया कि गांव में सेनेटरी पैड उपलब्ध नहीं होने से अधिकांश लड़कियां पुराने कपड़ों का उपयोग करने को मजबूर थीं। पैड खरीदने 10 से 12 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, जिससे असुविधा और स्वास्थ्य समस्याएं होती थीं।

120 किशोरियों को मिले रीयूजेबल पैड

इन परिस्थितियों को देखते हुए कार्यक्रम में 120 किशोरी बालिकाओं को रीयूजेबल सेनेटरी पैड वितरित किए गए। पहली बार रीयूजेबल पैड पाकर बालिकाओं के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास दिखा।

शर्म नहीं, प्राकृतिक प्रक्रिया है माहवारी

कार्यक्रम में माहवारी स्वच्छता, संक्रमण से बचाव और रीयूजेबल पैड के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि माहवारी शर्म या छुपाने की बात नहीं, बल्कि प्राकृतिक और महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। समाज को इसके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

इस अवसर पर ग्राम पटेल, मितानिन दीदी, महिला समूह की सदस्याएं, ग्रामीणजन और जन कल्याण सामाजिक संस्थान के कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने ग्रामीण क्षेत्रों में माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने और किशोरियों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

जगदगुरु नरेंद्राचार्य 4 जून को आएंगे दुर्ग, श्रद्धालुओं का करेंगे मार्गदर्शन, प्रदेशभर से जुटेंगे श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दक्षिणपीठ नाणीज धाम के जगदगुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य जी दुर्ग आएंगे। वे रामानंद संप्रदाय भक्त सेवा मंडल छत्तीसगढ़ द्वारा स्थानीय हॉकी ग्राउंड महिला समृद्धि बाजार के सामने सिविल लाइन में 4जून को आयोजित समस्या समाधान समारोह एवं साधक दीक्षा महोत्सव में श्रद्धालुओं को धर्म, अध्यात्म, संस्कार, जीवन मूल्यों एवं सामाजिक कल्याण से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन देंगे, साथ ही साधकों को दीक्षा भी दिलाएंगे।

यह एक दिवसीय समारोह सुबह 9 बजे से शुरू होगा। जो देर शाम तक चलेगा' समारोह में प्रदेशभर से करीब 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। जिसके मद्देनजर आयोजन समिति द्वारा भव्य तैयारी शुरू कर दी गई है। समारोह के लिए भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है, वहीं श्रद्धालुओं के भोजन व ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। दुर्ग के धर्म नगरी में जगदगुरु रामानंदाचार्य

जी के आगमन से उनके अनुयायियों में उत्साह का माहौल है। यह बातें रामानंद संप्रदाय दक्षिण छत्तीसगढ़ पीट के सदस्य सच्चिदानंद उपासने ने बुधवार को मीडिया से चर्चा में कहीं। इस दौरान छत्तीसगढ़ पीठ प्रमुख घनश्याम माहेश्वरी, पीठ सह प्रमुख मुन्नालाल मोटायारे, शारदा ताई, सौरभ सोनी, राजकुमार गौर, प्रफुल्ल तिवारी, संजय पवार भी मौजूद रहे। चर्चा में रामानंद संप्रदाय छत्तीसगढ़ के पीट सदस्य सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि संतों का कार्य धर्म और आध्यात्मिक से जुड़ा होता है, लेकिन समाज का कल्याण भी उनके प्राथमिकताओं में शामिल रहता है।

क्योंकि वर्तमान में समाज में विकृतियां भी सामने आ रही है, जिसका समाधान भी संतों के माध्यम से ही संभव है। इसलिए जगदगुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य जी के सानिध्य में समाज कल्याण से जुड़े कार्य को मूर्तरूप दिया जा रहा है। जिसे समाज को व्यापक स्तर पर लाभ मिल रहा है। श्री उपासने ने बताया कि जगदगुरु की प्रेरणा से संस्था द्वारा निःशुल्क अन्नदान सेवा, गरीब बच्चों को केजी 1 से स्नातक तक निशुल्क शिक्षा, राष्ट्रीय राजमार्ग में एंबुलेंस सेवा, रक्तदान शिविर, प्राकृतिक आपदाओं में सहायता, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण के अलावा मानव सेवा और समाज कल्याण से जुड़े कार्य किया जा रहे हैं। इसके अलावा संस्था द्वारा धर्मांतरित हिंदू समाज के लोगों की घर वापसी भी कराई जा रही है इसके अंतर्गत अब तक 1,54,591 से अधिक परिवारों की घर वापसी कराई जा चुकी है, नशा मुक्ति को लेकर संस्था ने अभियान छेड़ रखा है। अभियान के माध्यम से कई घरों को बर्बाद होने से बचा लिया गया है।

क्रिकेट का नया सूरज : समस्तीपुर के वैभव सूर्यवंशी ने तोड़े दिग्गजों के रिकॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु / समस्तीपुर-नईदिल्ली

बिहार के समस्तीपुर जिले की मिट्टी से निकला एक नया सितारा अब सिर्फ भारतीय ही नहीं, विश्व क्रिकेट के आसमान पर चमक रहा है। नाम है वैभव सूर्यवंशी महज 14 साल की उम्र में ही इस युवा बल्लेबाज ने क्रिस गेल जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दुनिया को चौंका दिया है।

समस्तीपुर से विश्व पटल तक का सफर

समस्तीपुर के एक साधारण किसान परिवार से आने वाले वैभव ने बचपन में गली-मोहल्ले से क्रिकेट की शुरुआत की। टूटे बल्ले और टेनिस बॉल से प्रैक्टिस करने वाला यह लड़का आज बड़े-बड़े गेंदबाजों के लिए खौफ का दूसरा नाम बन गया है। स्थानीय कोच बताते हैं कि वैभव की सबसे बड़ी ताकत उसका बेखौफ अंदाज और गेंद को मैदान के बाहर भेजने की कला है।

तकनीक और टेम्परामेंट का संगम

क्रिकेट समीक्षकों का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी में सहवाग जैसी आक्रामकता और विराट कोहली जैसा

टेम्परामेंट दिखता है। स्पिन हो या तेज गेंदबाजी, वैभव हर गेंदबाज के खिलाफ हावी होकर खेलते हैं। मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की क्षमता उन्हें खास बनाती है।

बिहार क्रिकेट के लिए उम्मीद की किरण

वैभव की सफलता ने बिहार क्रिकेट को नई पहचान दी है। लंबे समय से बड़े मंच पर बिहार के खिलाड़ियों की कमी खल रही थी। वैभव के उदय से राज्य के हजारों युवा क्रिकेटरों में नई उम्मीद जगी है। समस्तीपुर में उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा है।

कोच और परिवार का संघर्ष

वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी एक छोटे किसान हैं। उन्होंने बताया, बेटे के लिए किट खरीदना भी मुश्किल था, लेकिन उसके जुनून ने हमें हार नहीं मानने दी। स्थानीय कोच राजीव कुमार ने मुफ्त में ट्रेनिंग दी और वैभव को जिला स्तर से आगे बढ़ाया।

आगे की राह

विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वैभव इसी लय में खेलते रहे तो वे जल्द ही टीम इंडिया की सीनियर जर्सी में दिखेंगे। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे वैभव पर अब सभी फ्रेंचाइजियों की नजर है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, वैभव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं।

बिहार की मिट्टी से निकला यह लाल अब दुनिया को बता रहा है कि प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती। वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जब चलता है, तो सिर्फ गेंद ही नहीं, रिकॉर्ड बुक के पन्ने भी बाउंड्री के बाहर जाते हैं।

रिकॉर्डों की झड़ी, रनों का तूफान

पिछले कुछ महीनों में वैभव ने घरेलू और यूथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी पारियां खेलीं कि क्रिकेट पंडित भी हैरान रह गए।

सबसे तेज शतक : वैभव ने टी-20 में सबसे कम उम्र में सबसे तेज शतक जड़कर क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा।

छक्कों की बारिश : एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का कीर्तिमान भी अपने नाम किया।

कम उम्र, बड़ा स्कोर : 14 साल 32 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय बने।

आईपीएल इतिहास : 14 साल 23 दिन की उम्र में आईपीएल में सबसे कम उम्र में डेब्यू और अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बने। एक मैच में 35 गेंदों पर 101 रन की पारी खेलकर सबसे युवा टी-20 शतकवीर का विश्व रिकॉर्ड बनाया।

कांग्रेस का नया एजेंडा : सनातन और संत समाज का अपमान-वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कन्हैया सोनी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर दिए बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज हिंदुत्व, सनातन और संत समाज के अपमान की राजनीति कर रही है और यही उसका नया राजनीतिक एजेंडा बन चुका है। श्री सोनी ने कहा कि विवाद की शुरुआत नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के उस बयान से हुई जिसमें उन्होंने कहा था, मैं रामभद्राचार्य को जगद्गुरु नहीं मानता। साथ ही महंत ने आरोप लगाया कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य भाजपा के प्रचारक की तरह काम कर रहे हैं और संतों को राजनीति से दूर रहना चाहिए।

इस पर पलटवार करते हुए कन्हैया सोनी ने चरणदास महंत को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा, चरणदास महंत एक लाइन बताकर दिखा दें, जहां जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भारतीय जनता पार्टी को वोट देने या समर्थन करने की अपील की हो। आज तक ऐसा कोई बयान सामने नहीं आया। यह सब कांग्रेस नेताओं के दिमाग की उपज है। श्री सोनी ने कांग्रेस पर बड़ा वैचारिक हमला बोलते हुए कहा, आज पूरे देश में कांग्रेस पार्टी केवल एक लाइन पर राजनीति कर रही है — सनातन और हिंदुत्व का अपमान। चाहे छत्तीसगढ़ हो या देश का कोई और राज्य, कांग्रेस के नेता लगातार संतों और हिंदू धार्मिक प्रतीकों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति अब तुष्टिकरण और वैचारिक विरोध तक सीमित होकर रह गई है। छत्तीसगढ़

दुर्ग को बड़ी सौगात : 31 मई को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे आईटी पार्क और स्विमिंग पूल का लोकार्पण

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल, तकनीक और खेल सुविधाओं से जुड़ेगा दुर्ग

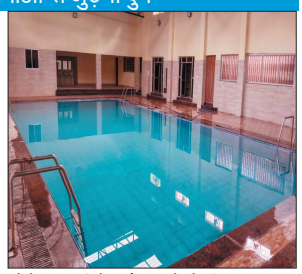

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर को खेल और तकनीक के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। 31 मई को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दुर्ग प्रवास के दौरान अत्याधुनिक आईटी पार्क और स्विमिंग पूल का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही चुनाव में दुर्ग की जनता से किए गए वादे पूरे होंगे।

आईटी पार्क बनेगा रोजगार का नया केंद्र

शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आईटी पार्क बनकर तैयार है। यह पार्क दुर्ग को तकनीक, नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। मंत्री ने कहा कि आईटी पार्क दुर्ग के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और इससे व्यापार व अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी।

खिलाड़ियों को मिलेगा आधुनिक स्विमिंग पूल

शहरवासियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्विमिंग पूल भी तैयार किया गया है। इसके लोकार्पण से दुर्ग के खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलेगा और युवाओं को प्रशिक्षण व अभ्यास की आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी।

मंत्री ने लिया तैयारियों का जायजा

आज शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कलेक्टर अभिजीत सिंह, आईआईटी डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश, निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल और पीडब्ल्यूडी टीम के साथ आईटी पार्क स्थल का निरीक्षण किया। इंजीनियरों ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंत्री यादव ने निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी सुविधाओं और आम नागरिकों के उपयोग को ध्यान में रखकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दुर्ग को आधुनिक और सुविधायुक्त शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार शिक्षा, अधोसंरचना, तकनीक और जनसुविधाओं के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है।

निगम आयुक्त पाण्डेय ने खुर्सीपार का किया औचक निरीक्षण, 60 दुकानों की होगी दोबारा नीलामी

बिना अनुमति चल रही गैस एजेंसी पर भड़के आयुक्त, कार्रवाई के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने बुधवार को जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक स्थलों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को सुधार के सख्त निर्देश दिए।

बिना अनुमति गैस एजेंसी पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान स्टेडियम के ठीक सामने एचपी गैस एजेंसी बिना वैध अनुमति के संचालित होते मिली। सार्वजनिक और खेल परिसर के पास इस तरह की व्यावसायिक गतिविधि पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सुरक्षा और नियमों की अनदेखी पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जोन आयुक्त और सहायक राजस्व अधिकारी को एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

बिना अनुमति गैस एजेंसी पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान स्टेडियम के ठीक सामने एचपी गैस एजेंसी बिना वैध अनुमति के संचालित होते मिली। सार्वजनिक और खेल परिसर के पास इस तरह की व्यावसायिक गतिविधि पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सुरक्षा और नियमों की अनदेखी पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जोन आयुक्त और सहायक राजस्व अधिकारी को एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

मिनी स्टेडियम की 60 दुकानों की होगी नीलामी

आयुक्त सबसे पहले जोन-4 खुर्सीपार अंतर्गत इंडोर स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने खेल परिसर का मुआयना कर खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन के निर्देश दिए। इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया। वहां 60 दुकानें खाली या अव्यवस्थित मिलने पर नाराजगी जताई। राजस्व बढ़ाने के लिए आयुक्त ने सभी दुकानों की पुनः नीलामी प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

सामुदायिक शौचालय की भी जांच

आयुक्त ने स्टेडियम के पास स्थित सामुदायिक शौचालय का भी निरीक्षण किया। साफ-सफाई और सुविधाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शौचालयों में पानी, बिजली और स्वच्छता की कोई कमी नहीं होनी चाहिए।

आयुक्त पांडेय ने कहा, "निगम की संपत्तियों का सही रखरखाव और जनता को बेहतर सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है। अवैध रूप से व्यवसाय करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।" निरीक्षण के दौरान जोन-4 के जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव समेत निगम अमला मौजूद रहा।

डॉ. रमन सिंह से मिला सोमनी का प्रतिनिधिमंडल

विकास कार्यों पर हुई चर्चा, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से बुधवार को सोमनी क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्णा तिवारी और पूर्व मंडल अध्यक्ष लीलाधर साहू की अगुवाई में ग्राम पंचायत सोमनी के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान विकास कार्यों सहित क्षेत्र के जरूरी मसलों पर चर्चा हुई।

डॉ. रमन सिंह ने सभी को आशीर्वाद देते हुए सोमनी के सर्वांगीण विकास में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का पुष्पगुच्छ से आत्मीय अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान कृष्णा तिवारी, लीलाधर साहू, ग्राम सरपंच श्रीमती नीलिमा शिवा साहू, प्रताप नागवंशी और युवा नेता देवेंद्र कुमार प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

स्वदेशी अपनाने का संकल्प, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ाया कदम

स्वदेशी व्यापारी मंच और चेम्बर की बैठक में जन जागरण अभियान चलाने का निर्णय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वदेशी व्यापारी मंच के आह्वान पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भिलाई में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाने के आह्वान को जन-जन तक पहुँचाना और समाज में आत्मनिर्भरता की भावना मजबूत करना था।

आचरण में बदलाव से बनेगा आत्मनिर्भर भारत

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने उपस्थितजनों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और विक्रय का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि हम अपने आचरण में बदलाव लाकर स्वदेशी को अपनाएं। तेल की बचत, सोने की खरीद से परहेज और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने जैसे छोटे संकल्प समाज को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ा कदम साबित होंगे।

भसीन ने कहा कि स्वदेशी व्यापारी मंच व्यापारियों को एकजुट कर उनकी समस्याओं के समाधान तक साथ चलेगा। यह मंच स्वदेशी उत्पादों और तकनीक को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को व्यापार से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत में योगदान देगा।

छोटे स्थानों पर चलेगा जन जागरण अभियान

बैठक में निर्णय लिया गया कि छोटे-छोटे स्थानों पर जाकर जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह केवल व्यापारियों का आंदोलन नहीं, बल्कि पूरे समाज को स्वावलंबी बनाने का प्रयास है।

एक्सपोर्ट कल्चर विकसित करना होगा

उद्योग चेम्बर के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि हमें एक्सपोर्ट कल्चर विकसित कर भारत को मजबूत निर्यातक देश बनाना होगा। कोविड काल में भी इस दिशा में प्रयास किए गए थे और आगे भी जारी रहेंगे।

प्रमुख सलाहकार कन्हैया सोनी ने कहा कि पत्रक और जनसंपर्क के माध्यम से इस आह्वान को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। समाज में जागृति आने पर स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग स्वतः बढ़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

बैठक में सतेंद्र यादव, आलोक सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, अखिलेश प्रताप सिंह, रामाराव, पूजा वर्मा, मधुर पाराशर, विजय लक्ष्मी साहू, भारती विशाल देशमुख, सरोजिनी पाणिग्रही, रश्मि वर्मा, अभय कुमार और सुनील मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100